CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-213
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सुविचार

हर नई शुरुआत थोड़ी इंसान को डराती है पर याद रखो सफलता मुश्किलों के पार ही नजर आती है

सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार 08 नवम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

संदिग्ध आतंकियों ने किया सेना पे फायरिंग, सेना ने मार गिराया

जम्मू-कश्मीर मुठभेड़ सेना ने बताया कि आतंकवादियों की संदिग्ध गतिविधि देखने के बाद भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गुरुवार (7 नवंबर) को बारामुल्ला जिले में एक संयुक्त अभियान शुरू किया। सेना ने बताया कि चुनौती दिए जाने पर आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, साथ ही कहा कि अभियान जारी है। सोपोर में आज कम से कम दो आतंकवादी मारे गए। उनके पास से आपत्तिजनक सामग्री, हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। भारतीय सेना की चिनार कोर ने बताया, आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर 07 नवंबर 24 को भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पानीपुरा, सोपोर, बारामुल्ला में एक संयुक्त अभियान शुरू किया। सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और चुनौती दिए जाने पर आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। हमारे सैनिकों ने प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की। अभियान जारी है।जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों

में वृद्धि हुई है और सुरक्षा बलों ने उनके साथ मुठभेड़ की है। बुधवार सुबह एक अधिकारी ने बताया कि कुपवाड़ा के लोलाब के मार्गी इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। एक अन्य घटनाक्रम में, सुरक्षा बलों ने बुधवार को बांदीपोरा में एक आतंकवादी को मार गिराया। इससे पहले मंगलवार को, सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ के बाद, बांदीपोरा के चुंटावाड़ी कैत्सन के सामान्य क्षेत्र में भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ द्वारा एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। मंगलवार को एक अन्य घटनाक्रम में, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 22आरआर और 92 बीएन के साथ मिलकर एक आतंकवादी सहयोगी को पकड़ा, जिसकी पहचान आशिक हुसैन वानी के रूप में हुई है, जो जम्मू-कश्मीर के सोपोर में तुजार शरीफ का निवासी है, पुलिस ने कहा। 3 नवंबर को, पुलिस ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में रविवार को टूरिस्ट रिसेप्शन सेंटर (टीआरसी) और साप्ताहिक बाजार में ग्रेनेड हमले में एक महिला सहित बारह लोग घायल हो गए। 2 नवंबर को, जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया। सुरक्षा बलों द्वारा हलकान गली इलाके में आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू करने के बाद मुठभेड़ शुरू हुई। 29 अक्टूबर को, सुरक्षा बलों ने सेना के काफिले पर हमले के बाद जम्मू-कश्मीर के अखनूर में एक बड़ी मुठभेड़ में तीन आतंकवादियों को मार गिराया। 20 अक्टूबर को गंदेरबल जिले में श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक सुरंग निर्माण स्थल पर आतंकवादियों द्वारा हमला किए जाने पर एक डॉक्टर और छह निर्माण श्रमिकों की मौत हो गई थी।

छठ के मौके पर बोले सीएम योगी

कांग्रेस की वही स्थिति हो जाएगी जो जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 का हुआ

उत्तर प्रदेश। योगी आदित्यनाथ ने इस दौरान जम्मू कश्मीर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कश्मीर से धारा 370 केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में हटाए। उन्होंने कहा कि 370 समाप्त कर मोदी सरकार ने आतंकवाद पर अंतिम कील ठोकने का काम किया था। छठ महापर्व के अवसर पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लखनऊ में गोमती घाट पर लक्ष्मण मेला मैदान पहुंचे और छठ पर्व में हिस्सा लिया। योगी आदित्यनाथ ने वहां छठ पूजा किया और इसके बाद मौजूद लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि आज छठ मां पर न केवल भोजपुरी समाज का बल्कि अखिल भारतीय समाज का उत्सव बन गया है। उन्होंने आगे कहा कि भोजपुरी समाज आज संपूर्ण विश्व में छठ की सुगंध को अपने साथ ले जाकर एक भारत-श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार कर रहा है। छठ महापर्व की हृदय से बधाई एवं इस आयोजन हेतु अखिल भारतीय भोजपुरी समाज को

ढेरों शुभकामनाएं! उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि हमारे पर्व और त्योहार तभी तक जीवित है, जब तक हमारा राष्ट्रीय धर्म जीवित है। पर्व-त्योहार हमें जोड़ते हैं। लेकिन हमारा राष्ट्रीय धर्म भी होना चाहिए। राष्ट्रीय धर्म में हर काम देश के नाम होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी यही करते हैं और उनका संकल्प भी यही है। उन्होंने साफ तौर कहा कि हम जहां पर्व-त्यौहार के माध्यम से लोगों को जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं तो कुछ लोग ऐसे भी हैं जो भारत में रहकर भारत की संस्कृति, भारत के अस्तित्व के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्य जो लोग भी कर रहे हैं, किसी भी भारतवासी को यह बर्दाश्त नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब 140 करोड़ भारतवासी एकजुट होकर एक साथ बोलते हैं तो पूरी दुनिया हमारी बात सुनती है। योगी आदित्यनाथ ने इस दौरान जम्मू कश्मीर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कश्मीर से धारा 370 केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में हटाए। उन्होंने कहा कि 370 समाप्त कर मोदी सरकार ने आतंकवाद पर अंतिम कील ठोकने का काम किया था। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया को लगा कि यह नया भारत है। यह नया भारत किसी का नुकसान नहीं पहुंचाएगा। लेकिन अगर कोई इस भारत को छेड़ेगा तो छोड़ेगा भी नहीं। यह भारत ना झुकेगा, ना डिगेगा। हमेशा आगे बढ़ता रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा अपनी एकता और अखंडता को मजबूत रखेगा।

कोर्ट के वारंट पर साध्वी प्रज्ञा बोली- जिंदा रही तो कोर्ट अवश्य जाऊंगी

भोपाल। भोपाल की भाजपा से पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर के खिलाफ मुंबई के स्पेशल एनआईए कोर्ट ने जमानती वारंट जारी किया है। कोर्ट ने 13 नवंबर के दिन प्रज्ञा ठाकुर को कोर्ट में पेश होने कहा है। इस बीच पूर्व सांसद ने सोशल मीडिया पर अपनी फोटो के साथ एक पोस्ट शेयर की है। इसमें उन्होंने अपनी बिगड़ी तबीयत का जिक्र किया है। साथ ही लिखा है कि यदि जिंदा रही तो कोर्ट अवश्य जाऊंगी। पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने लिखा कि ह्यकांग्रेस का टॉर्चर सिर्फ अळर कस्टडी तक ही नहीं, मेरे जीवन भर के लिए मृत्युदायी कष्ट का कारण हो गया। ब्रेन में सूजन,आंखों से कम दिखना,कानो से कम सुनना और बोलने में असंतुलन, स्टेरॉयड और न्यूरो की दवाओं से पूरे शरीर में सूजन. एक हॉस्पिटल में उपचार चल रहा है। जिंदा रही तो कोर्ट अवश्य जाउंगी। पोस्ट के साथ पूर्व सांसद ने शेयर की फोटो में उनके चेहरे पर सूजन दिख रही है। पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर 2008 के मालेगांव ब्लास्ट मामले में आरोपी है। उनको मुंबई के स्पेशल एनआईए कोर्ट ने मामले की कार्रवाई में शामिल नहीं होने पर जमानती वारंट जारी किया है। बता दें इस मामले में कोर्ट में अंतिम सुनवाई चल रही है। प्रज्ञा सिंह ठाकुर को 10 हजार रुपए का जमानती वारंट जारी किया है। इसे 13 नवंबर तक वापस किया जा सकता है।

पूर्व मंत्री दीपक जोशी की भाजपा में वापसी, शिवराज सिंह ने लगाया गले

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी के बेटे और पूर्व मंत्री दीपक जोशी ने फिर भाजपा का दामन थाम लिया है। बुधनी विधानसभा क्षेत्र के नांदनेर में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। डेढ़ साल पहले विधानसभा चुनाव से पहले दीपक जोशी कांग्रेस में शामिल हुए थे और खातेगांव सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा था, हालांकि उन्हें 12,542 वोटों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा में दीपक जोशी की वापसी का मामला पहले भी चर्चा में रहा है। आठ महीने पहले ही उनकी पार्टी में घर वापसी की तैयारी पूरी हो चुकी थी, लेकिन अंतिम समय में सहमति नहीं बनने के कारण यह कार्यक्रम टल गया था। तब दीपक जोशी ने स्वयं कहा था, ह्यमैं सुबह का भूला हूं, जो शाम को घर लौट आया हूं,ह्व जिससे उन्होंने भाजपा में लौटने की इच्छा जाहिर की थी। दीपक जोशी की वापसी को भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, खासकर आगामी चुनाव के मद्देनजर। उनके लौटने से पार्टी को बुधनी क्षेत्र में शिवराज सिंह चौहान के साथ और अधिक मजबूती मिलने की संभावना है।

सस्ता होगा खाने का तेल, आम आदमी को मिलेगी थोड़ी राहत

नई दिल्ली। हरी सब्जियों और आलू-प्याज की बढ़ती कीमतों के बीच खाने के तेल के सस्ते होने की खबर आम आदमी के लिए राहत लेकर आई है। दिवाली और छठ के त्योहार खत्म होने के साथ ही बाजार में सोयाबीन की आवक में इजाफा होना शुरू हो गया है। इसका सीधा असर तेल के भाव पर देखने को मिल रहा है। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में खाद्य तेलों के दामों में कमी देखने को मिल सकती है।

खाद्य तेल के कारोबार से जुड़े व्यापारियों का कहना है कि त्योहारी सीजन खत्म होने के बाद से ही ऊंचे दामों पर तेल में बिक्री भी घट रही है। ऐसे में प्लाटो की सोयाबीन में लेवाली कमजोर देखने को मिली है। इसके असर से सोयाबीन के दामों में गिरावट दर्ज की गई है। प्लांट की ओर से सोयाबीन खरीदी भाव करीब 25-50 रुपये तक कमजोर बोले जा रहे हैं। शादियों के सीजन में भी उपभोक्ताओं की मांग बढ़ने के आसार कम ही नजर आ रहे हैं। इसलिए तेल के भाव में भी गिरावट होने की उम्मीद है। इन दिनों बाजार में सोयाबीन तेल घटकर 1320-1325 रुपये प्रति दस किलो रह गया है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूती

बनी हुई है। इसके चलते पाम तेल में तेजी जारी रहेगी। पाम तेल में तेजी को ध्यान में रखते हुए सोयाबीन तेल भी ज्यादा कम की संभावना नहीं है।

इसलिए आ रही है गिरावट मलेशिया एक्सचेंज में आ रही गिरावट के बीच देश के थोक तेल-तिलहन बाजार में सभी तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। इसके चलते सरसों, मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पाम तेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल तथा बिनौला तेल के दाम गिरे हुए दिख रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि सहकारी संस्था नाफेड ने करीब 53 हजार टन सरसों की बिकवाली की जिसकी वजह से सरसों तेल-तिलहन में गिरावट है।

मूंगफली की नई फसल की आवक बढ़ी वहीं, मूंगफली की नई फसल की आवक बढ़ने से मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में भी गिरावट है। कारोबारियों का कहना है कि विदेशों में कमजोर मांग की वजह से ऊंचे दाम वाले देशी सोयाबीन डीओसी की मांग प्रभावित हुई है। दूसरी ओर इस स्थिति को देखते हुए, जो स्टॉकिस्ट पहले स्टॉक जमा कर रहे थे, वे अब पीछे हटने लगे हैं। इससे सोयाबीन तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट आई है। वहीं मलेशिया एक्सचेंज में आई गिरावट के कारण सीपीओ और पामोलीन तेल कीमतें कमजोर हुई हैं। मूंगफली जैसे तेल की गिरावट का असर बिनौला पर भी देखने को मिला जिसमें नरमी आई है।

बंगाल में दागी और करोड़पति उम्मीदवारों ने संभाला मैदान

पश्चिम बंगाल इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स का दावा- भाजपा ने चार दागियों को दिया टिकट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में हो रहे उपचुनाव में दागी और करोड़पति उम्मीदवार भी ताल ठोक रहे हैं। राज्य की छह विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव में सात उम्मीदवार दागी हैं तो सात ही प्रत्याशी करोड़पति हैं। पश्चिम बंगाल इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के मुताबिक भाजपा ने सबसे ज्यादा चार दागियों को टिकट दिया है। जबकि कांग्रेस ने एक और तृणमूल कांग्रेस से दो दागी उम्मीदवार मैदान में हैं। वहीं यहां उपचुनाव में करोड़पति प्रत्याशी भी खूब हैं। इसमें कांग्रेस ने तीन, भाजपा ने दो, सीपीआई और टीएमसी ने एक-एक करोड़पति उम्मीदवार को चुनाव में उतारा है।

13 नवंबर को होना है उपचुनाव पश्चिम बंगाल में छह विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को उपचुनाव होना है। इसमें तालडंगरा, सिताई, नैहाटी, हरोआ, मेदिनीपुर और मदरीहाट सीट शामिल हैं। पश्चिम बंगाल इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के मुताबिक इन सीटों पर 42 उम्मीदवार मैदान में हैं। इसमें से 41 उम्मीदवारों का डाटा एडीआर को मिला है। जबकि मदारीहाट सीट से निर्दलीय प्रत्याशी पंकज लोहरा का विवरण चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जारी नहीं किया गया है।

टीएमसी प्रत्याशी के पास 4.9 करोड़ की संपत्ति पश्चिम बंगाल उपचुनाव में राजनीतिक दलों ने करोड़पति प्रत्याशियों पर भी दांव लगाया है। इसमें कांग्रेस ने तीन, भाजपा ने दो और सीपीआई (एम-एल)-तृणमूल कांग्रेस ने एक-एक प्रत्याशी को टिकट दिया है। टीएमसी के नैहाटी सीट से प्रत्याशी सनत डे सबसे ज्यादा अमीर हैं। उनके पास 4.90 करोड़ की संपत्ति है। इसमें अचल संपत्ति 1.80 करोड़ है। वहीं भाजपा की तालडांगरा सीट से प्रत्याशी अनन्या रॉय चक्रबर्ती पर कुल संपत्ति 2.98 करोड़, टीएमसी के मेदिनीपुर सीट से प्रत्याशी श्यामल कुमार घोष पर 1.69 करोड़ रुपये की संपत्ति है। कामतापुर पीपुल्स पार्टी के सिताई सीट से उम्मीदवार काशीकांता बर्मन के पास सबसे कम पांच हजार रुपये की संपत्ति है।

ये आरोप हैं शामिल गंभीर आपराधिक मामलों में ऐसे आरोपों शामिल हैं, जिनमें अधिकतम पांच साल या उससे ज्यादा की सजा हुई है। इसमें गैर जमानती अपराध, चुनावी अपराध और सरकार को वित्तीय नुकसान पहुंचाने जैसे अपराध शामिल हैं।

अखाड़ा परिषद की बैठक में संतों के बीच मारपीट

अखाड़े के दोनों गुट आए आमने-सामने

प्रयागराज। दो धड़ों में बंटे अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के संतों के बीच गुरुवार को मारपीट हो गई। इससे काफी देर तक अफरातफरी मची रही। दारागंज में पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्रपुरी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। इसी तरह दारागंज में ही श्री पंचायती अखाड़ा निमोर्ही में महंत राजेंद्र दास की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान दोनों धड़ों के संतों में पहले कहासुनी हुई। इसके बाद मारपीट हो गई। इससे काफी देर तक अफरातफरी का माहौल रहा। अखाड़ा परिषद के दोनों धड़ों के संत भूमि आवंटन की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को प्रयागराज मेला प्राधिकरण कार्यालय पहुंचे थे। बताया जाता है कि इस दौरान निमोर्ही अखाड़े के महंत राजेंद्र दास से कुछ संतों से कहासुनी हो गई, जो देखते ही

देखते मारपीट में बदल गई। इससे मेला कार्यालय पर अफरातफरी मच गई। मौके पर जूना अखाड़े के संरक्षक और अखाड़ा परिषद के महामंत्री हरि गिरि ने बीच बचाव कर मामला शांत कराया। काफी दिनों से चल रही है रस्साकसी अखाड़ा परिषद अध्यक्ष पद को लेकर संतों के दो धड़ों में काफी दिनों से विवाद चल रहा है। अखाड़ों और साधुओं को अपने पक्ष में करने के लिए रस्साकसी चल रही है। दूसरा धड़ा अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र गिरि को अध्यक्ष मानने के लिए तैयार नहीं है। दूसरे धड़े ने बुधवार को शाही स्नान और पेशवाई आदि मुगलकालीन शब्दों को बदलकर कुंभ छावनी प्रवेश और कुंभ अमृत स्नान नाम करण कर दिया है।

यूरोप की जलवायु परिवर्तन एजेंसी कॉपरनिकस ने की डराने वाली भविष्यवाणी

अब तक का सबसे गर्म साल हो सकता है 2024

ब्रसेल्स। दुनियाभर में जलवायु परिवर्तन का असर अब तेजी से दिखने लगा है। इस बीच यूरोप की जलवायु परिवर्तन एजेंसी कॉपरनिकस ने डराने वाली भविष्यवाणी की है। एजेंसी ने कहा है कि यह लगभग तय है कि 2024 रिकॉर्ड में सबसे गर्म साल होगा। बयान में कहा गया है कि यह पहली बार होगा, जब औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक ज्यादा होगा।

कॉपरनिकस ने यह भविष्यवाणी इसी साल अक्टूबर के सबसे गर्म रहने के बाद की है। 11 नवंबर को अजरबैजान के बाकू में होने वाली संयुक्त राष्ट्र की जलवायु कॉन्फ्रेंस से ठीक पहले कॉपरनिकस के इस एलान ने वैज्ञानिकों को चिंता में डाल दिया है। यूएन की इसी कॉन्फ्रेंस में विकसित देश जलवायु परिवर्तन के असर को कम करने के लिए विकासशील देशों को 2025 से आर्थिक मदद देने पर सहमत हो सकते हैं। कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस की उप-निदेशक समांथा बर्जेस ने कहा, 2024 के 10 महीनों के बाद यह लगभग तय है कि 2024 रिकॉर्ड में सबसे गर्म

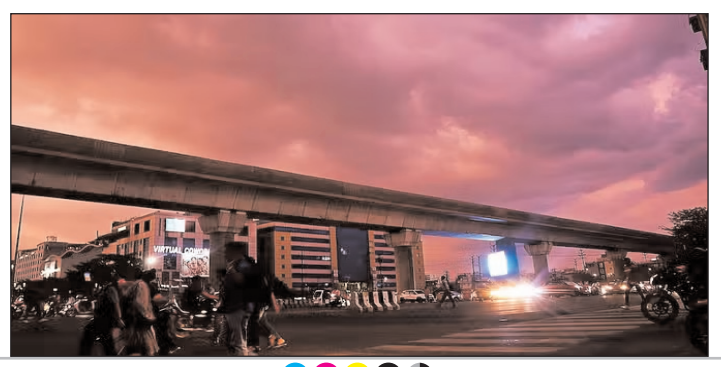

साल होगा। बयान में कहा गया है कि यह पहली बार होगा, जब औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक ज्यादा होगा। यह वैश्विक तापमान की बढ़ोतरी में नया रिकॉर्ड होगा और कॉप29 समिट से पहले जलवायु परिवर्तन को लेकर एक अहम मुद्दा होना चाहिए।

पूरी दुनिया में दूसरा सबसे गर्म अक्टूबर यूरोपीय एजेंसी के वैज्ञानिकों ने ही पिछले महीने बताया था कि 2024 का अक्टूबर पूरी दुनिया में दूसरा सबसे गर्म अक्टूबर रहा। इससे पहले 2023 का अक्टूबर भी काफी गर्म था, तब सतह पर हवा का औसत तापमान 15.25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो कि 1991 से 2020 के अक्टूबर के औसत तापमान से 0.80 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था। इतना ही नहीं 2024 के पहले 10 महीनों (जनवरी से अक्टूबर) में औसत वैश्विक तापमान 1991-2020 के बीच इसी दौर के मुकाबले 0.71 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। वहीं, जनवरी-अक्टूबर 2023 के मुकाबले इस साल इसी दौर में तापमान 0.16 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा।

सिंगल कॉलम

नए साल की शुरुआत में खत्म होगा मैट्रो का इंतजार

इंदौर। शहर में मेट्रो रेल का बरसों पुराना इंतजार वर्ष 2025 की शुरुआत में खत्म हो सकता है। शुरुआत में शहर के गांधी नगर स्टेशन से सुपर कॉरिडोर के स्टेशन क्रमांक-तीन के बीच 5.9 किलोमीटर के सर्वोच्च प्राथमिकता वाले खंड पर मेट्रो रेल चलाई जाएगी। यहां सितंबर 2023 में इसका प्रायोगिक परीक्षण (ट्रायल रन) किया गया था। मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एक अधिकारी ने बताया कि हम इस मार्ग पर नये साल की शुरूआत में मेट्रो रेल के वाणिज्यिक परिचालन के आगाज की कोशिश में जुटे हुए हैं। इसके लिए मार्ग पर हमारे अलग-अलग परीक्षण जारी हैं। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ये परीक्षण पूरे होते ही मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) को अपनी रिपोर्ट सौंप देगा। इसके बाद सीएमआरएस का दल इस मार्ग का निरीक्षण करके इंतजामों का जायजा लेगा। अधिकारी ने बताया कि सीएमआरएस की हरी झंडी के बाद ही इस मार्ग पर मेट्रो रेल का वाणिज्यिक परिचालन शुरू किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि शहर में मेट्रो रेल के स्टेशन इस तरह डिजाइन किए गए हैं कि इनके जरिये छह डिब्बों की रेल चलाई जा सकती है। हालांकि शुरुआत में हम तीन डिब्बों की रेल चलाएंगे। यात्रियों की तादाद बढ़ने पर इसमें तीन और डिब्बे जोड़े जा सकते हैं। अधिकारी ने बताया कि मेट्रो रेल के एक डिब्बे में करीब 300 यात्री सफर कर सकते हैं जिनमें सीट पर बैठने वाले 50 लोग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इंदौर में 7,500.80 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण की नींव 14 सितंबर 2019 को रखी गई थी। इसके तहत शहर में करीब 31.50 किलोमीटर लम्बा मेट्रो रेल गलियारा बनाया जाना है।

अवैध पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर वाहन जब्त

इंदौर। शहर में कलेक्टर आशीष सिंह के आदेश पर इंदौर जिले में अवैध पेट्रोल-डीजल भंडारण, क्रय-विक्रय पर खाद्य विभाग द्वारा अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अवैध रूप से डीजल का क्रय-विक्रय एवं परिवहन करते पाये जाने पर वाहन जप्त करने की कार्रवाई की गई है। जिला आपूर्ति नियंत्रक एम.एल. मारू ने बताया कि, विजय नगर चौराहा स्थित आईपी फ्यूल स्टेशन के वाहन द्वारा द पार्क होटल इंदौर में डीजल का अवैध रूप से विक्रय एवं परिवहन किया जा रहा था। जिस पर कार्रवाई करते हुए डीजल टैंकर वाहन मय डिस्पेंसिंग मशीन को जप्त किया गया है। उन्होंने बताया कि, द पार्क होटल के भूमिगत टैंक में अवैध रूप से डीजल भरा जा रहा था। मौके पर उपस्थित ड्राइवर विशाल पाटीदार से डीजल टैंकर मय डिस्पेंसिंग यूनिट और वाहन को जप्त किया गया। मौके पर किसी भी ऑयल कंपनी की अनुमति एवं विस्फोटक विभाग की अनुमति नहीं पाई गई। मौके पर जो डिस्पेंसिंग यूनिट लगी पाई गई वह भी नापतौल विभाग से सत्यापित नहीं थी। पूर्णतः अनाधिकृत एवं अवैध रूप से डीजल का परिवहन एवं विक्रय करने पर वाहन चालक, आईपी फ्यूल स्टेशन के प्रोपराइटर आदि पर आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3,7 में प्रकरण दर्ज किया गया है। अवैध पेट्रोल और डीजल के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है, जहां इसी कार्रवाई के तहत प्रशासनिक अधिकरी लगातार अवैध पेट्रोल और डीजल को बरामद करने का काम कर रहे हैं. इधर, अब एक बार फिर प्रशासन की कार्रवाई के बाद जिले में हड़कंप मचा हुआ है, जहां अवैध पेट्रोल और डीजल के खिलाफ जारी ये कार्रवाई आने वाले दिनों में भी इसी तरह से जारी रहने की संभावना जताई जा रही है।

समझाइश के बाद भी नहीं सुधरे तो होगी कार्रवाई

इंदौर। शहर में यातायात सुधार और फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही लगातार जारी है। इसी क्रम में कलेक्टर आशीष सिंह ने नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया, अपर कलेक्टर रोशन राय सहित जिला प्रशासन और यातायात पुलिस के अधिकारियों के साथ बंगाली चौराहा क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने यातायात व्यवस्था को देखा। उन्होंने फुटपाथ और पार्किंग व्यवस्था का भी अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर आशीष सिंह के साथ प्रशासन के तमाम आला अधिकारी नजर आ रहे थे। वहीं कलेक्ट ने ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए हैं। वहीं अब कलेक्टर के दिए दिशा-निर्देश का आने वाले समय में कितना असर दिखाई देता है, ये आने वाला वक्त बताएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि, यातायात सुधारने के लिए व्यापारियों और दुकानदारों को फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने और पार्किंग को सुव्यवस्थित करने के संबंध में समझाइश दी जाए। समझाइश के बाद भी सुधार नहीं दिखाई देने पर कार्यवाही की जाए। उन्होंने इस संबंध में व्यापारियों और दुकानदारों से भी चर्चा की तथा इस संबंध में समझाइश दी। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने यातायात सुधार के लिए सभी जरूरी कार्य करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

बाइकों के मॉडिफाई साइलेंसर के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई

300 से अधिक साइलेंसर तोड़े, रोड रोलर से कुचले

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। शहर में ट्रैफिक पुलिस बाइकों के मॉडिफाई साइलेंसर से उत्पन्न तेज आवाजों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। गुरुवार को 300 से अधिक साइलेंसर तोड़े गए और 300 बचे हुए हैं जिन्हें महू थाना क्षेत्र में तोड़ा जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई में कर्कश आवाज करने वाले साइलेंसर जप्त किए जा रहे हैं। शहर में लोगों को पटाखों जैसी आवाजें और अन्य तेज आवाजों से हो रही परेशानी के कारण पुलिस ने ये कदम उठाया है। शिकायतों के आधार पर पुलिस ने कई बुलेट बाइकों के साइलेंसर निकाल दिए हैं और चालान काटकर जुर्माना भी वसूला है। पिछले एक सप्ताह से जब्त साइलेंसर को पुलिस ने गुरुवार को विजय नगर थाना क्षेत्र में रोलर की मदद से तोड़ा। जब इन्हें तोड़ा गया तो पुलिस के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे, यह दृश्य देखने के लिए बड़ी संख्या में युवा और अन्य लोग भी इकट्ठा हो गए थे। विजय नगर थाना क्षेत्र में पुराने आरटीओ के पास सभी जब्त साइलेंसर को रोलर की मदद से तोड़ा गया। इस पहल के पीछे पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह का उद्देश्य शहर में यातायात व्यवस्था को सुधारना और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। पुलिस द्वारा विभिन्न चौराहों पर चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं, जिससे कई मॉडिफाई साइलेंसर जब्त किए गए हैं। इस तरह के साइलेंसर लगाने पर एक हजार रुपए का जुमार्ना लग रहा है और साइलेंसर भी जब्त हो रहे हैं।

जारी रहेगी कार्रवाई

इस कार्रवाई के कारण यातायात थाने पर जब्त किए गए साइलेंसरों का अंबार लग चुका है। इन साइलेंसरों से उत्पन्न तेज आवाजें न केवल परेशान करने वाली हैं बल्कि कई बार जानलेवा भी साबित हो सकती हैं। पुलिस का कहना है कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी, ताकि शहर के निवासियों को एक शांतिपूर्ण वातावरण मिल सके। कुछ इस तरह पुलिस ने की कार्रवाई इंदौर पुलिस द्वारा सघन वाहन चेकिंग में लापरवाह वाहन चालकों व असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कड़ा प्रहार जारी है। सायलेंसर मॉडिफाई कर फायर आर्म्स नुमा ह्वफटाके चलाने जैसी ह्व आवाज निकालने वाले 93 दोपहिया वाहनों के विरुद्ध वैधानिक चालानी कार्रवाई की गई थी। मध्य प्रदेश के अलग-अलग शहरों में मॉडिफाई साइलेंसर के खिलाफ लगातार पुलिस की मुहिम जारी है, जहां इसी मुहिम के तहत पुलिस अलग-अलग तरह के वाहनों पर कार्रवाई कर रही है। वहीं अब कार्रवाई का असर भी दिखाई दे रहा है, जहां इंदौर समेत अलग-अलग जिलों में मॉडिफाई साइलेंसर लगाकर गाड़ी चलाने से लोग बचते नजर आ रहे हैं। वहीं लगातार चल रही इस कार्रवाई से वाहन चालकों में हड़कंप की स्थिति भी है, जहां वाहन चालक पुलिस से छिपकर इधर-उधर निकलते नजर आ रहे हैं। बहरहाल, पुलिस की यह कार्रवाई कब तक जारी रहती है, यह आने वाला वक्त बताएगा।

800 से ज्यादा बुलेट पर कार्रवाई

विभाग के मुताबिक पूर्व और पश्चिम इलाके में पिछले दिनों करीब 850 से ज्यादा बुलेट पर कार्रवाई की गई है। इसमें अलग-अलग थानों में साइलेंसर जब्त किये गए है, आगे उन्हें भी नष्ट किया जाएगा।

पत्नी से विवाद पर बीच में आई मां की कर दी हत्या

द्वारकापुरी क्षेत्र का मामला, बेटे ने पत्थर के चकले से किया था वार, आरोपी गिरफ्तार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर. द्वारकापुरी क्षेत्र में एक युवक ने अपनी ही मां की हत्या कर दी। मां, बेटे और बहू के बीच हो रहे विवाद में बीच-बचाव करने गई थी। गुस्से में बेटे ने पत्थर के चकले से मां के सिर पर वार कर दिया, जिससे गंभीर चोट लगने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया था। उपचार के दौरान मां ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है।

द्वारकापुरी पुलिस के अनुसार, मृतक का नाम रेखा पति गणपत भावे था। वह अपने बेटे शंकर के साथ ऋषि पैलेस कॉलोनी में रहती थीं। पंद्रह साल पहले शंकर का विवाह पिंकी से हुआ था, उनके दस और बारह साल के दो बेटे हैं। शंकर अक्सर अपनी पत्नी से झगड़ा करता था, जिससे परेशान होकर पिंकी पांच साल पहले अलग रहने लगी थी। गुरुवार रात शंकर अपनी पत्नी से झगड़ने उसके पास गया। यह देख उसकी मां रेखा भी पीछे-पीछे आ गईं और बीच-बचाव करने लगीं। इसी दौरान शंकर ने पहले पिंकी पर पत्थर के चकले से वार किया। यह देख मां रेखा ने उसे रोकने की कोशिश की, तो शंकर ने मां के सिर पर भी चकला मार दिया। आसपास के लोगों ने बीच-बचाव किया और दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

उपचार के दौरान रेखा की मौत हो गई, जबकि पिंकी की हालत गंभीर घायल है, उसका एमवाय अस्पताल में इलाज चल रहा है।

दूसरी महिला के साथ रहता था पति

द्वारकापुरी टीआई आशीष सप्रे ने बताया कि आरोपी शंकर ने एक अन्य महिला को रखा हुआ है। पिंकी उसकी पहली पत्नी है। पिंकी से शंकर को 12 और 10 साल के दो बेटे हैं। परिवार के लोगों ने बताया कि शंकर के अन्य महिला से संबंध के कारण ही पिंकी 5 साल से पति से अलग रह रही थी। शंकर अपने साथ पिंकी को वापस रखना चाह रहा था। लेकिन पिंकी नही जाना चाहती थी। इसी बात पर शंकर कल अपनी मां के साथ पिंकी से बात करने पहुंचा था यहां दोनों बच्चे भी साथ मे थे। आरोपी ने उनके सामने ही मारपीट कर दी। बीच-बचाव करने आई मां रेखा बाई पर हमला कर दिया।?????? रेखा बाई की मौत की जानकारी लगने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिवार से पूछताछ की। इसके बाद हत्या का प्रकरण दर्ज कर मामला जांच में लिया गया है।

हथियारों के फोटो दिखाकर जमा करवा लेते हैं रुपए, अवैध काम होने से पीड़ित नहीं करते शिकायत

सोशल मीडिया पर हथियार के नाम से ठगी

सिटी चीफ इंदौर।

सिकलीगर अब सोशल मीडिया के माध्यम से भी हथियारों की तस्करी कर रहे हैं। वहीं कई ठग भी सक्रिय हैं, जो हथियारों के फोटो पोस्ट कर ऑनलाइन पैसा जमा करवा लेते हैं और बदमाशों को शिकार बना रहे हैं। अवैध कारोबार होने के कारण ठगी के शिकार बदमाश रिपोर्ट भी नहीं कर पा रहे हैं।

खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर और धार के कई सिकलीगर अब सोशल मीडिया के माध्यम से भी अवैध पिस्टलों की खरीद फरोख्त कर रहे हैं। वे वॉट्सऐप ग्रुप या फिर टेलीग्राम पर देसी पिस्टल के फोटो डालते हैं। जो लोग उनसे संपर्क करते हैं उनसे ऑनलाइन पैसा जमा करवा लेते हैं और फिर उनको हथियार लेने बुलाते हैं। कुछ दिन पहले एसटीएफ और इसके पहले क्राइम ब्रांच कई बार सिकलीगरों को गिरफ्तार कर चुकी है। वहीं इनसे हथियार लेकर जाते पंजाब, यूपी, हरियाणा, दिल्ली के कई बदमाश भी पकड़े जा चुके हैं। इन लोगों से सिकलीगरों ने ऑनलाइन पैसा जमा करवा लिया था और डिलीवरी देने के लिए बुलाया था, जहां हथियार देकर वे चंपत हो गए थे।

दूसरों के नाम से निकली जानकारी

पुलिस ने इनके मोबाइल नंबर और बैंक खातों की जानकारी निकाली तो पता चला कि वे किसी और के नाम के हैं। इसके चलते पुलिस उनको नहीं पकड़ पाई। वहीं दूसरी ओर पुलिस का कहना है कि कई साइबर ठग भी सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। ये लोग हथियारों के फोटो पोस्ट करते हैं और लोगों से ऑनलाइन पैसा जमा करवा लेते हैं, लेकिन बाद में हथियार नहीं देते। ठगी के शिकार ये सभी बदमाश होते हैं और अवैध कारोबार होने से रिपोर्ट भी नहीं कर पाते हैं।

ठगी का शिकार लोग पुलिस में रिपोर्ट नहीं करवा पाते

एडीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया का कहना है कि सोशल मीडिया पर हथियारों की खरीद फरोख्त की जानकारी पुलिस को मिलती रहती है, लेकिन अवैध कारोबार होने से ऐसे मामलों में रिपोर्ट नहीं होती है लेकिन मुखबिर तंत्र के माध्यम से पता चला है कि कई बदमाश ऑनलाइन हथियार खरीदने के चक्कर में ठगी का शिकार हुए हैं।

अवैध रूप से बन रहे होस्टल सील, 9 स्थानों से सामान जब्त

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। सवार्नंद नगर में अवैध निर्माण के खिलाफ नगर निगम ने कार्रवाई शुरू की है। गुरुवार सुबह यहां बने 5 अवैध निमार्णाधीन भवनों (होस्टल) को सील किया है, संत नगर में भी एक भवन को सील किया है। साथ ही अन्य 3 निमार्णाधीन भवनों का काम रोककर बिल्डिंग मटेरियल जब्त किया है। साथ ही कुछ भवनों के हिस्सों को तोड़ा गया।

कार्रवाई निगम उपायुक्त लता अग्रवाल के नेतृत्व में जोन-13 में की गई। बिल्डिंग ऑफिसर विजय सिंह जादौन ने बताया कि इन क्षेत्रों के रहवासियों ने शिकायत की थी। इस पर निगम की टीम ने सुबह यहां पहुंचकर निमार्णाधीन भवनों का मचान सहित कुछ अस्थाई हिस्सा हटाया। इन भवनों के मालिकों द्वारा निर्माण की अनुमति नहीं ली थी। इन भवनों को होस्टल के लिए उपयोग करने का प्लान था।

निगम ने सवार्नंद नगर के प्लाट नंबर 38,39, 69-बी, 48 और 25-बी पर बने निमार्णाधीन भवनों को सील किया। इसके साथ ही निर्माण के लिए रखे बिल्डिंग मटेरियल को भी जब्त किया। इसी कड़ी में 128 संत नगर के भवन को भी सील कर मटेरियल जब्त किया हैं। टीम ने 162 ब्रह्मपुरी, 178 संत नगर, जगजीत नगर पर भी काम रोककर मटेरियल जब्त किया।

स्थापना अधीक्षक और क्लर्क को निगमायुक्त ने किया सस्पेंड

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने काम में लापरवाही को लेकर स्थापना अधीक्षक और एक क्लर्क को निलंबित कर दिया। निगमायुक्त ने यह कार्रवाई निगम मुख्यालय में कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई व समयावधि बैठक से संबंधित प्रकरणों को लेकर समीक्षा बैठक के दौरान की। आयुक्त शिवम वर्मा ने आवेदन के निराकरण के संबंध में स्थापना विभाग व अन्य विभागों द्वारा की गई कार्यवाही के संबंध में समीक्षा की। इस दौरान आयुक्त ने कलेक्टर कार्यालय में होने वाली जनसुनवाई के दौरान निगम से संबंधित आवेदन पत्रो की वर्तमान स्थिति क्या है, उसका क्यां निराकरण किया गया है के संबंध में जानकारी ली। आयुक्त वर्मा ने पाया कि स्थापना शाखा के अंतर्गत कार्यरत अधीक्षक सुनील कुसमाकर सहायक वर्ग 2 एवं प्रभारी क्लर्क रवि दशवंत द्वारा कलेक्टर कार्यालय द्वारा भेजे समयावधि पत्रों एवं जनसुवाई आवेदनो में कोई रूचि नही ली जा रही है, इस संबंध में कोई रिकार्ड भी व्यवस्थित नही रखा जा रहा है.

आज शाम 6 बजे कृष्ण पुरा छत्री स्थित घाट पर दीप प्रज्वलित करेंगे कार्यकर्ता एवं नागरिक

युवाओं में नेतृत्व विकास के लिए कार्यशाला आयोजित करेगा अभ्यास मंडल

सिटी चीफ इंदौर।

युवाओं को संस्कारित करने तथा उनमें नेतृत्व की क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से अभ्यास मंडल युवाओं के लिए दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित करेगा तथा कान्ह, सरस्वती नदी के शुद्धिकरण एवं शहर के यातायात को सरल और सुगम बनाने में सहयोग देने के उद्देश्य से भी विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रयास किए जाएंगे। अभ्यास मंडल परिवार द्वारा जाल सभागृह गृह में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में यह निर्णय लिया गया।

युवाओं में नेतृत्व विकास और सामाजिक क्षेत्र में सक्रियता बढ़ाने के विषय पर चर्चा की गई, जिसमें यह निष्कर्ष निकला कि आगामी दिनों में युवाओं के लिए दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जाए, साथ ही शहर में अवस्थित यातायात के कारण, नागरिकों को हो रही असुविधाओं एवं कठिनाइयों को देखते हुए यातायात सुधार हेतु नागरिकों के साथ मिलकर, विभिन्न प्रयास किया जाएं। कान्ह एवं सरस्वती नदी के शुद्धिकरण के लिए भी किए जा रहे प्रयासों में और तेजी लाकर सोशल ऑडिट कराया जाए एवं नगर निगम, जिला प्रशासन एवं शासन को कान्ह, सरस्वती नदी के शुद्धिकरण में तेजी लाने एवं सार्थक नतीजा निकले, शुद्ध जल बहे इसके लिए ठोस प्रयास करने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास करने का भी निर्णय लिया गया।

कल कृष्ण पुरा छत्री पर दीप प्रज्वलित करेंगे

8 नवंबर को अभ्यास मंडल के कार्यकर्ता एवं नागरिक शाम 6 बजे कृष्ण पुरा छत्री स्थित घाट पर दीप प्रज्वलित करेंगे। इस मौके पर सर्वश्री मनोहर देव, गौतम कोठारी, आलोक खरे, पत्रकार अरविंद तिवारी, सुरेश उपाध्याय, पर्यावरणविद् दिलीप वाघेला, ओपी जोशी, श्याम पांडे, हरेराम वाजपेई, अजीत सिंह नारंग, शिवाजी मोहिते, माहेश्वरी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राजीव झालानी, डॉ. एसएल गर्ग, नेताजी मोहिते, रामेश्वर गुप्ता आदि ने भी विचार रखे।

मध्यप्रदेश के अधिकांश जिलों में रात का तापमान पहुंचा 10 से 20 डिग्री के बीच

लुढ़कने लगा पारा, पचमढ़ी में जलाना पड़े अलाव

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मध्यप्रदेश में ठंड ने अपना कहर दिखाना शुरू कर दिया है. नवंबर माह का पहला सप्ताह भी समाप्त नहीं हुआ है, लेकिन राजधानी सहित प्रदेश के अधिकांश जिलों में रात का तापमान 10 से 20 डिग्री के बीच बना हुआ है. यहां दिन भर तेज धूप देखी जा रही है. वहीं शाम होते ही रात का पारा 30 से 35 डिग्री के बीच दर्ज किया गया. मौसम वैज्ञानिकों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पचमढ़ी में बुधवार को रात का तापमान सबसे कम 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. रात के समय मौसम ठंडा होने के साथ ही लोगों को सर्दी, जुकाम और बुखार जैसी मौसमी बीमारी का सामना करना पड़ रहा है. वहीं मौसम विभाग का कहना है कि लगभग सभी जिलों में रात के तापमान में भारी गिरावट के साथ लोगों को अलाव जलाना पड़ रहा है. मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, मध्य प्रदेश के अधिकतर जिलों के दिन के तापमान में बुधवार को गिरावट देखने को मिली है. वहीं सभी शहरों में रात का न्यूनतम तापमान 20 डिग्री से काफी कम दर्ज किया गया. प्रदेश के अधिकांश जिलों में रात को सर्द हवाओं का दौर देखने को मिल रहा है. 15 नवंबर से पहले ही राजधानी भोपाल सहित अधिकांश जिलों में कड़ाके की ठंड का दौर देखने को मिल रहा है।

दिन में भी पचमढ़ी सबसे ठंडा
पचमढ़ी रात के साथ दिन में भी सबसे ठंडा है। बुधवार को यहां दिन का तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बैतूल, नौगांव और मलाजखंड में रहा।

तापमान 30 डिग्री के नीचे जबकि बाकी शहरों में इससे अधिक

अभी ये शहर सबसे ठंडे
मौसम विभाग के अनुसार, अभी नर्मदापुरम-अनूपपुर जिले सबसे ठंडे हैं। मंगलवार-बुधवार की रात में पचमढ़ी में पारा 11.2 डिग्री और अमरकंटक में 13.1 डिग्री सेल्सियस रहा। मंडला, शाजापुर, सीहोर और शहडोल ऐसे जिले हैं, जहां पारा 15 डिग्री से नीचे है। भोपाल, नौगांव, छिंदवाड़ा, बैतूल, रायसेन, राजगढ़, मलाजखंड, उमरिया, जबलपुर, टीकमगढ़, सिवनी, खंडवा, उज्जैन, खरगोन, रीवा, धार, खजुराहो और ग्वालियर में पारा 18 डिग्री सेल्सियस से कम दर्ज किया गया।

नवंबर के पहले सप्ताह में ऐसा ट्रेंड मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत में बर्फबारी होने के बाद पूरा मध्यप्रदेश ठिठुरने लगता है। इस बार नवंबर के दूसरे सप्ताह में उत्तर से ठंडी हवाएं आ सकती हैं, जिससे ठंड का असर और भी बढ़ जाएगा। पिछले 10 साल से यही ट्रेंड है।दक्षिण-पश्चिम मानसून के समाप्त होने के बाद मौसम सामान्य हो जाता है लेकिन आसमान बादलों से घिरा रहता है। अक्टूबर की तरह उमस महसूस नहीं होती है। वहीं, रात के पारे में गिरावट आने लगती है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से ग्वालियर-चंबल, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर समेत कई संभागों में हल्की बारिश हो जाती है। दिन में पारा 30 डिग्री और रात में 15 डिग्री सेल्सियस के नीचे रहता है।

ग्वालियर की हवा सबसे खराब
मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रदेश के पांच बड़े जिलों की बात करें तो मंगलवार को ग्वालियर की हवा सबसे खराब रही है, जो कि दीन दयाल नगर में एक्यूआई 309 दर्ज हुआ. इसके अलावा जबलपुर में 288, उज्जैन में 140, भोपाल में 268 और इंदौर में 110 दर्ज हुई.

पहली बार क्रिकेट भी, भोपाल को 7 खेलों की मेजबानी

खेलो एमपी का आयोजन 13 दिसंबर से...

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। खेलो इंडिया की तर्ज पर प्रदेश में खेलो एमपी यूथ गेम्स होंगे। इसकी शुरूआत 13 दिसंबर से प्रस्तावित है। कुल 25 खेल होंगे। पहली बार स्टेट गेम्स में क्रिकेट को शामिल किया गया है। खास बात यह है कि भोपाल 7 खेलों की मेजबानी करेगा जिसमें बॉक्सिंग, शूटिंग और तैराकी शामिल हैं।

खेलो एमपी यूथ गेम्स को चार चरणों में बांटा गया है।

पहला राउंड ब्लॉक स्तर पर होगा, जो चयन राउंड होगा। इसमें ब्लॉक लेवल की टीम चुनी जाएगी। दूसरे दौर में जिला लेवल पर इवेंट होंगे। इसमें प्रदेश के 313 विकास खंड भागीदारी करेंगे। तीसरा राउंड डिवीजन लेवल का होगा, जिसमें सभी 55 जिलों की टीमें आपस में भिड़ेंगी। आखिरी में स्टेट लेवल के मुकाबले होंगे, जिसमें संभागों की टीमें खेलेंगी। इनामी राशि स्टेट लेवल पर जीतने पर ही मिलेगी।

इन 25 खेलों में से 19 खेल ही ब्लाक, जिला, संभाग स्तर खेले जाएंगे। 6 खेल सीधे स्टेट लेवल पर खेले जाएंगे। क्योंकि इन खेलों के जिला या ब्लाक या संभाग स्तर पर इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं है। इनमें ताइक्वांडो, तलवारबाजी, रोइंग, कयाकिंग-केनोइंग और आर्चरी शामिल हैं।

ये खेल निचले लेवल से शुरू होंगे- एथलेटिक्स, बॉस्केटबॉल, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, फुटबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, खो--खो, मलखंभ, तैराकी, वॉटिलफ्टंग, कुश्ती, टेबल--टेनिस, योगासन, वालीबॉल, टेनिस, शतरंज और क्रिकेट शामिल हैं।

- गांवों से लेकर भोपाल तक आएंगे खिलाड़ी।
- 31 हजार, 21 हजार और 11 हजार रुपए की होगी इनामी राशि।
- अब तक ओलिंपिक से जुड़े खेल ही होते रहे हैं। इस बार कुल 25 खेलों के इवेंट होंगे।
- प्रत्येक खेल में टॉप-4 को मिलेगा इनाम, 31, 21 और 11-11 हजार की राशि दी जाएगी।
- इनामी राशि टीम और इंडिविजुअल दोनों को समान रूप से मिलेगी। जैसे किसी टीम ने खिताब जीता तो उसके प्रत्येक प्लेयर को 31-31 हजार रुपए मिलेंगे। ऐसे ही 100 मीटर, 200 मीटर व अन्य ऐसे ही इंडिविजुअल गेम में जीतने वाले को भी 31 हजार मिलेंगे। सिल्वर मेडलिस्ट को 21 हजार और ब्रॉन्ज व सेमीफाइनलिस्ट लूजर को 11--11 हजार मिलेंगे।

स्टेट लेवल टूनामेंट 9 शहरों में होंगे खेलो एमपी यूथ गेम्स मप्र के नौ शहरों में होंगे। सबसे ज्यादा 7 गेम्स की मेजबानी भोपाल करेगा। इनमें बॉक्सिंग, फेंसिंग, शूटिंग, ताइक्वांडो, रोइंग, तैराकी और कयाकिंग-केनोइंग शामिल रहेंगे। उज्जैन में कबड्डी, मलखंभ, कुश्ती, और योगासन होंगे। इंदौर में बास्केटबॉल, वेटलिफ्टिंग और टेनिस, ग्वालियर में हॉकी और बैडमिंटन, जबलपुर में खो-खो, एथलेटिक्स, आर्चरी के मुकाबले होंगे।

टॉर्च रिले भी निकाली जाएगी
इन खेलों के प्रचार-प्रसार की दृष्टि से सभी 55 जिलों में एक टॉर्च रिले निकाली जाएगी। यह यूथ गेम्स है, इसलिए इसमें 19 वर्ष से कम आयु के खिलाड़ी ही भागीदारी कर सकेंगे। इसके लिए खिलाड़ियों को अपना जन्म प्रमाण पत्र देना होगा।

युवाओं को खेलों से जोड़ना हमारा लक्ष्य
इन खेलों का मुख्य उद्देश्य यूथ को खेलों से जोड़ना है। मैं यह दावा तो नहीं करता कि मैदान आने वाला हरेक यूथ बड़ा खिलाड़ी बनेगा ही, लेकिन यह गारंटी जरूर है कि वो एक अच्छा नागरिक अवश्य बनेगा।
-विश्वास सारंग, मंत्री खेल एवं युवा कल्याण

टू-व्हीलर पर घूमने के 60 की जगह 80 रु. लगेंगे; विदेशियों पर दोगुना चार्ज

भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क में घूमना हुआ महंगा

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। वन विहार नेशनल पार्क में घूमना महंगा हो गया है। टू-व्हीलर पर 2 सवारी घूमने पर अब 60 की जगह 80 रुपए देने होंगे। पैदल, कार-जीप या जिप्सी, मिनी बस और बड़ी बस से घूमने पर 5 रुपए से 200 रुपए तक ज्यादा देने होंगे। विदेशियों को दोगुना चार्ज देना होगा। हालांकि, अभी ये रेट लागू नहीं किए गए हैं।

यह नेशनल पार्क राजधानी के बीचोबीच स्थित है, जहां टाइगर, शेर, तेंदुआ, लकड़बग्घा, हिरण, बारहसिंघा सहित 1600 से अधिक जानवर हैं। हर रोज हजारों टूरिस्ट नेशनल पार्क में पहुंचकर इन जानवरों का दीदार करते हैं। पहले यहां सफेद बाघिन भी थी, जिसकी हाल ही में मृत्यु हो गई थी, बावजूद इसके पर्यटकों की संख्या में कोई कमी नहीं आई है। इसी बीच अब घूमने के लिए नए रेट जारी किए गए हैं।

हर तीन साल में होती है 10त्न वृद्धि

बता दें कि नेशनल पार्कों में हर तीन साल में 10त्न तक शुल्क वृद्धि होती है। इस बार भी सरकार ने 1 नवंबर से नया शुल्क लागू कर दिया है। ऐसा ही बदलाव रालामंडल अभयारण्य, इंदौर और मुकुंदपुर चिड़ियाघर, मैहर में भी किया गया है।

अब प्रति पर्यटक इतनी देनी होगी राशि
इसी तरह हल्के 4 पहिया वाहन अधिकतम 5 व्यक्ति 300 रुपये, हल्के 4 पहिया वाहन 5 व्यक्ति से अधिक क्षमता वाले 500 रुपये, मिनी बस अधिकतम 20 व्यक्ति 1100 रुपये, बस 20 से अधिक व्यक्ति 2200 रुपये, गोल्फ कॉर्ट से भ्रमण (प्रवेश शुल्क के अतिरिक्त) प्रति व्यक्ति 60 रुपये, 5 वर्ष से अधिक 12 वर्ष तक की आयु के बच्चे 40 रुपये, 5 वर्ष तक की आयु के बच्चे निःशुल्क, पूरी गोल्फ कॉर्ट अधिकतम 6 व्यक्ति 400 रुपये और प्रबंधन द्वारा उपलब्ध कराये गये वाहन से सफारी भ्रमण (प्रति ट्रिप) प्रति व्यक्ति 100 रुपये, 5 वर्ष से अधिक 12 वर्ष तक की आयु के बच्चे 30 रुपये, 5 वर्ष तक की आयु के बच्चे निःशुल्क तथा सम्पूर्ण वाहन (अधिकतम 6 व्यक्ति) 1000 रुपये देय होगा।

हाथियों की मौत के बाद कोदो के फंगल की 10 लैब में चल रही जांच

भोपाल। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 10 हाथियों की 72 घंटे में मौत के बाद वन विभाग में सक्रिय हो गया है। अभी तक की जांच में सामने आया है कि हाथियों ने बड़ी मात्रा में खराब कोदो खा लिया था, जिसमें साइक्लोपियाजानिक एसिड मौजूद था। यह एसिड सभी हाथियों में बड़ी मात्रा में मिला है। वहीं, खेतों की फसल में किसी कीटनाशाक के इस्तेमाल के प्रमाण भी नहीं मिल है और किसानों ने भी इसके इस्तेमाल की बात से इंकार किया है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इन संकेतों से साफ पता चलता है कि हाथियों की मौत फंगल के चलते हुई है। अब हम इस फंगस के प्रकार की पहचान करना जरूरी हो गया है ताकि भविष्य में ऐसा ना हो। इसके लिए देश की 10 लैब में जांच की जा रही है। इस रिपोर्ट का इंतजार जिन राज्यों में हाथियों की बड़ी संख्या है, उनको भी है। अधिकारियों का कहना है कि वेटरनरी साइंस के विशेषज्ञ इस फंगस की पहचान कर उसके वन्यजी पर प्रभाव को समझने का प्रयास कर रहे हैं। वह यह भी पता लगा रहे है कि यह फंगस का कोई नया स्ट्रेन तो नहीं है। बता दें उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के खितौली और पतौर रेंज में 10 हाथियों की मौत हुई थी। इसके बाद मृत हाथियों के विसरा सैंपल आईवीआरआई बरेली जांच के लिए भेजे गए थे। इस रिपोर्ट में सामने आया है कि हाथियों ने खराब कोदो के पौधे और अनाज खाया था। जिसमें साइक्लोपियाजानिक एसिड था। इस रिपोर्ट में आसपास के इलाके में सावधानी बरते के लिए भी कहा गया है।

मध्यप्रदेश में डेंगू ने कर दी हालत खराब
चिकनगुनिया के मरीज 210 के पार

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। राजधानी भोपाल में लगातार डेंगू के मरीज बढ़ते जा रहे हैं. बुधवार को 88 लोगों की टेस्टिंग की गई, जिसमें से 4 मरीज डेंगू पॉजिटिव मिले हैं. अब शहर में डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़कर 580 हो गई है. सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि सिर्फ अक्टूबर महीने में ही शहर में 200 से ज्यादा डेंगू पॉजिटिव मरीज मिले हैं. डेंगू के बाद चिकनगुनिया ने भी अपना पैर पसारना शुरू कर दिया है. भोपाल में चिकनगुनिया के मरीजों की भी संख्या 210 के पार पहुंच गई है. मिली जानकारी के मुताबिक ये मरीज शिवनगर, शीतल नगर, टीबी अस्पताल, कल्याण नगर, अब्बास नगर और अवधपुरी इलाके से सामने आए हैं. हालांकि मध्यप्रदेश में बीते कुछ सालों के मुकाबले इस साल डेंगू के मरीजों की संख्या कुछ कम है. स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि कोरोना के बाद से लोग अपने सेहत को लेकर और ज्यादा सजक हो गए हैं. लोगों में पहले से ज्यादा जागरुकता भी है. डेंगू और चिकनगुनिया को लेकर भी लोग सावधानी बरत रहे हैं. रोकथाम के किए जा रहे इंतजाम स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि डेंगू और चिकनगुनिया के मरीजों के बढ़ने की एक वजह मौसम भी है. दरअसल, बारिश के बाद तापमान बढ़ गया है. इस वजह से डेंगू के लारवा पनप गए हैं. इस बार रुक-रुक कर कई इलाकों में बारिश होती रही. इस वजह से मच्छर आसानी से पनप गए हैं.

ग्वालियर में 5 लोगों की मौत
इधर, मध्य प्रदेश के ग्वालियर से भी डेंगू के परेशान करने वाले आंकड़े सामने आए हैं. ठंड के बावजूद डेंगू का असर बरकरार है. बता दें कि ग्वालियर में डेंगू के 27 नए मरीज मिले हैं. 274 संदिग्धों में से 27 की डेंगू रिपोर्ट पॉजिटिव आई है

स्वीप आईकॉन सारिका घारू ने मतदाता जागरूकता रैली में बताया मतदान का महत्व

बैंड बाजों और नारों के साथ दिया शत प्रतिशत मतदान का संदेश

सिटी चीफ भोपाल।
भोपाल। मतदान में शतप्रतिशत भागीदारी के लक्ष्य को लेकर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण सिंह के मार्गदर्शन में गुरुवार को जागरूकता रैली निकाली गई। बैंड एव नारों के साथ आम मतदाताओं को शतप्रतिशत मतदान के लिये प्रेरित किया गया।

भैरूंदा एसडीएम मदन सिंह रघुवंशी ने रैली का आयोजन किया। भैरूंदा में बी वी एम स्कूल से आरंभ होकर सीएम राईज स्कूल तक पहुंची रैली की निरंतरता ऐसी थी कि पूरा रैली मार्ग ही प्रतिभागियों से भरा हुआ था । रैली की विशालता ने भैरूंदा के संकल्प को बताया कि 13 नवम्बर को होने जा रहे बुदनी उपचुनाव में वे पिछला रिकार्ड भी तोड़ने जा रहे हैं । रैली के शीर्ष पर पूरे रैली मार्ग में स्वीप आईकॉन सारिका घारू ने चलो रे वोट देने गीत के साथ प्रस्तुति दे रही थी । जागरूकता सीएम राईज स्कूल प्रांगण में पहुंचकर एस डी एम मदन रघुवंशी ने रैली के उददेश्यों को बताते हुये रिकार्ड मतदान करने की अपील की । इस अवसर पर मंच से सभी प्रतिभागियों को मतदान करने की शपथ दिलाई गई । शपथ का वाचन सारिका घारू ने किया ।

सारिका घारू ने बताया कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुखवीर सिंह के निर्देशन में वे स्वीप गतिविधियां कर रही हैं । एस डी एम मदन सिंह रघुवंशी ने कहा कि बुधनी विधानसभा उप निर्वाचन के तहत अधिक से अधिक मतदान के लिए अनेक स्वीप गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। आमलोगों , दुकानदारों, अन्य ग्राम के निवासियों को एक साथ प्रेरित करने तथा आवश्यक जानकारी देने में इस विशाल रैली से मदद मिली है । रैली में सभी विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों , आंगनवाड़ी कार्यकताओं तथा पुलिस प्रशासन तथा मीडिया समूह तथा गणमान्य पत्रकारों का इस रैली को सफल बनाने में योगदान रहा ।

सम्पादकीय

मदरसों में पढ़ने वाले लाखों छात्रों का भविष्य सुरक्षित

सर्वोच्च अदालत ने संविधान की ऐतिहासिक व्याख्या करते हुए उप्र के मदरसों को 'संवैधानिक' करार दिया है। इस संदर्भ में उप्र मदरसा शिक्षा अधिनियम, 2004 और उससे जुड़ा बोर्ड भी 'अवैध' नहीं है। यह कानून मुलायम सिंह यादव की सरकार के दौरान बनाया गया था। यह न्यायिक फैसला अल्पसंख्यकों के अधिकार के साथ-साथ समता के मौलिक अधिकार और शिक्षा के अधिकार की व्याख्याएं भी करता है। सर्वोच्च न्यायिक पीठ का मानना है कि यह संविधान के मूल ढांचे और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन नहीं करता।

सर्वोच्च अदालत ने संविधान की ऐतिहासिक व्याख्या करते हुए उप्र के मदरसों को 'संवैधानिक' करार दिया है। इस संदर्भ में उप्र मदरसा शिक्षा अधिनियम, 2004 और उससे जुड़ा बोर्ड भी 'अवैध' नहीं है। यह कानून मुलायम सिंह यादव की सरकार के दौरान बनाया गया था। यह न्यायिक फैसला अल्पसंख्यकों के अधिकार के साथ-साथ समता के मौलिक अधिकार और शिक्षा के अधिकार की व्याख्याएं भी करता है। सर्वोच्च न्यायिक पीठ का मानना है कि यह संविधान के मूल ढांचे और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन नहीं करता। दरअसल यह फैसला ऐसे देश में मौलिक और महत्वपूर्ण है, जहां अत्यधिक शैक्षिक संस्थान धार्मिक संस्थाओं, संगठनों से संबद्ध हैं। यह अल्पसंख्यक अथवा बहुसंख्यक समुदाय का सवाल नहीं है। यह शिक्षा के बुनियादी दायित्वों और सरोकारों से जुड़ा मामला है। तो फिर मदरसों पर आपत्ति जताते हुए, उनसे संबद्ध कानून को, 'असंवैधानिक' कैसे करार दिया जा सकता है? न्यायिक पीठ ने आकलन करते हुए यह महत्वपूर्ण टिप्पणी भी की है-चूंकि शिक्षण संस्थान या मदरसा किसी अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़ा है और उसकी मजहबी शिक्षाओं को भी पढ़ाया जा रहा है, तो इसके मायने ये नहीं हैं कि वह संस्थान 'शिक्षा' की परिधि से बाहर कर दिया जाए। संविधान में अल्पसंख्यकों को अधिकार दिए गए हैं कि वे अपने शैक्षिक संस्थान स्थापित कर सकते हैं। उसी के तहत मदरसे लगातार खुलते रहे हैं। दरअसल मदरसों को 'आतंकवाद के अड्डे'और 'इस्लाम के प्रचारक संस्थान' करार दिया जाता रहा है। इस संदर्भ में सर्वोच्च अदालत का फैसला है कि राज्य सरकार मदरसों के पाठ्यक्रम को नियमित और संशोधित कर सकती है। कुरान के साथ-साथ गणित और विज्ञान जैसे विषय भी पढ़ाए जा सकते हैं, लेकिन मदरसे 'कामिल' और 'फाजिल' (स्नातक, स्नातकोत्तर) की जो डिग्रियां बांटते रहे हैं, वे 'अवैध' हैं, क्योंकि यह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अधिनियम के खिलाफ है। आयोग से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय ही ऐसी डिग्रियां देने को अधिकृत हैं। सर्वोच्च अदालत ने यह फैसला देते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला खारिज किया है, क्योंकि उच्च न्यायालय ने अधिनियम को 'असंवैधानिक' माना था और उप्र के सभी मदरसों को बंद करने का आदेश दिया था। इस सर्वोच्च फैसले से मदरसों में पढ़ने वाले 12,34,388 छात्रों का शैक्षिक भविष्य सुरक्षित रह सकेगा और 13,364 मदरसों के अस्तित्व कायम रह सकेंगे। मदरसों में हजारों शिक्षक भी पढ़ाते हैं, लिहाजा वे एकदम बेरोजगार होने से बचेंगे। मदरसों की जमात अलग-अलग है। कोई मदरसा राज्य सरकार से वित्तीय अनुदान प्राप्त करता है, तो कोई ऐसी मदद को 'इस्लाम-विरोधी' मानते हुए नहीं लेते और अपने संसाधनों के बूते ही मदरसे चलाते हैं। फिलहाल उप्र के मदरसा कानून पर सर्वोच्च अदालत ने फैसला सुनाया है। इसी के आधार पर देशभर के मदरसा बोर्ड और उनके प्रबंधक शीर्ष अदालत तक दस्तक दे सकते हैं। इस मामले में प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की टिप्पणी महत्वपूर्ण है- संविधान के मूल ढांचे के उल्लंघन के लिए किसी कानून की संवैधानिकता को चुनौती नहीं दी जा सकती। यदि धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के उल्लंघन के लिए कानून को चुनौती भी दी जाती है, तो यह दिखाना जरूरी होगा कि कानून धर्मनिरपेक्षता के संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करता है। यह भी न्यायिक टिप्पणी की गई है कि किसी कानून को तभी रद्द कर सकते हैं, जब वह संविधान के भाग-3 के तहत मौलिक अधिकारों अथवा विधायी क्षमता से संबंधित प्रावधानों का उल्लंघन करता है। बहरहाल सर्वोच्च अदालत ने माना है कि हालांकि मदरसे मजहबी निर्देशों से जुड़े हैं, लेकिन मदरसों के जरिये लाखों बच्चों को शिक्षा दी जा रही है। बेहतर शिक्षा मुहैया कराना सरकार का बुनियादी दायित्व है, लिहाजा मदरसों को बंद करने से वह दायित्व पूरा नहीं किया जा सकता। यदि मदरसों के भीतर संदेहास्पद गतिविधियां होती हैं, आतंकियों से उनके संबंध हैं, तो यह कानून-व्यवस्था का मामला है। राज्य सरकार निगरानी रखे और ऐसे मदरसों को दंडित करे, लेकिन ऐसे संदेह के आधार पर सभी मदरसे

महाराष्ट्र भी कहीं चल न पड़े हरियाणा की राह

हरियाणा का नतीजा गवाह है कि अतीत की बुनियाद पर लड़े जाने के बाद अगले चुनाव के नतीजे उम्मीदों के मुताबिक नहीं हो सकते। इसकी वजह नाकाम रहने वाली राजनीति की अपनी गलतियां भी हो सकती हैं और सफल होने वाली राजनीति की रणनीति भी। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी के प्रमुख दल जिस तरह आपसी खींचतान में मसरूफ हैं, उसकी वजह से अघाड़ी खेमे में आशंका जताई जाने लगी है कि महाराष्ट्र भी कहीं हरियाणा न बन जाए !

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों में महाविकास अघाड़ी के हाथों मिली महायुति को शिकस्त के चलते यह उम्मीद लगाना बेमानी नहीं है कि कुछ ऐसे ही नतीजे विधानसभा चुनावों में भी आ सकते हैं। चूंकि लोकसभा चुनाव बीते ज्यादा वक्त नहीं बीता है, लिहाजा माना जा रहा है कि राज्य के मतदाताओं के मिजाज में बहुत बदलाव नहीं आया है। हाल ही में हुए हरियाणा विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को लेकर कुछ ऐसी ही उम्मीद जताई जा रही थी। लेकिन नतीजे उम्मीदों के ठीक उलट रहे। हरियाणा का नतीजा गवाह है कि अतीत की बुनियाद पर लड़े जाने के बाद अगले चुनाव के नतीजे उम्मीदों के मुताबिक नहीं हो सकते। इसकी वजह नाकाम रहने वाली राजनीति की अपनी गलतियां भी हो सकती हैं और सफल होने वाली राजनीति की रणनीति भी।

महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी के प्रमुख दल जिस तरह आपसी खींचतान में मसरूफ हैं, उसकी वजह से अघाड़ी खेमे में आशंका जताई जाने लगी है कि महाराष्ट्र भी कहीं हरियाणा न बन जाए ! इस सोच की वजह बन रही है महाविकास अघाड़ी की अंदरूनी खींचतान। कांग्रेस और एनसीपी के सहयोग से मुख्यमंत्री रह चुके उद्धव ठाकरे खुद को स्वाभाविक रूप से अघाड़ी का अगुआ मान रहे हैं। लेकिन अंदरखाने में अपने दल को आगे रखने की हर गोटी फिट कर रहे स्थानीय कांग्रेस नेतृत्व की कोशिश खुद को आगे रखने की है। गठबंधन में अपने दल को आगे रखना गलत नहीं है। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि ऐसा किस कीमत पर हो रहा है?

हकीकत तो यह है कि कांग्रेस कुछ वैसा ही कदम उठाने की सोच रही है, जैसा उसने 2005 के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद उठाया था। तब एनसीपी और कांग्रेस ने मिलकर चुनाव लड़ा था और नतीजों में ज्यादा सीटें एनसीपी ने जीती थीं। लेकिन कांग्रेस ने मुख्यमंत्री पद पर ना सिर्फ दावा ठोक दिया था, बल्कि विलासराव देशमुख को मुख्यमंत्री भी बनवा लिया था। जबकि ज्यादा सीटें हासिल करने के बावजूद एनसीपी सहयोगी की भूमिका में रह गई थी। अव्वल तो कांग्रेस इस बार ऐसी चालें चल रही हैं, ताकि उसके सबसे ज्यादा विधायक चुनाव जीतें। अगर ऐसा होगा तो उसके लिए मुख्यमंत्री पद पर दावा ठोकना और उसे हासिल करना आसान होगा। लेकिन ऐसा नहीं भी हुआ तो वह 2004 को दोहराना चाहेगी। इस पूरी प्रक्रिया में कांग्रेस के स्थानीय नेतृत्व की कोशिश उद्धव ठाकरे को दौड़ में पीछे छोड़ना है। कांग्रेस अपने चुनाव अभियान में शरद पवार की अगुआई वाली एनसीपी का खयाल तो रख रही है, लेकिन शिवसेना-उद्धव के साथ वैसा तालमेल नहीं दिखा पा रही है।

शरद पवार कांग्रेस से निकले हुए ही नेता हैं। उनकी वैचारिक धारा कांग्रेसी सोच के ही इर्द-गिर्द घूमती है। दोनों दलों की राजनीतिक सोच ही नहीं, जमीन भी एक ही है। जबकि शिवसेना-उद्धव की राजनीतिक जमीन ही नहीं, सोच भी अलग है। उद्धव के वोटरों और कांग्रेस के वोटरों का मिजाज और जमीन भी अलग-अलग है। पिछले लोकसभा चुनाव में अगर राज्य की 48 सीटों में से 13 पर कांग्रेस काबिज होने में कामयाब रही तो इसकी बड़ी वजह एनसीपी के वोटरों का सहयोग नहीं, बल्कि शिवसेना-उद्धव के वोटरों का साथ रहा। कांग्रेस के एक केंद्रीय नेता आपसी बातचीत में इस तथ्य को खुलकर स्वीकार भी करते हैं। वैसे भी समान वैचारिक राजनीतिक बुनियाद के चलते एनसीपी के प्रभाव वाले इलाकों में कांग्रेस और इसी तरह कांग्रेस के प्रभाव वाले इलाकों में एनसीपी ने अपने उम्मीदवार नहीं उतारे। हकीकत यही है कि कांग्रेस और उद्धव या फिर एनसीपी और उद्धव के वोटरों के मिलन ने महाराष्ट्र की राजनीति में नई इबारत लिखी। लेकिन कांग्रेस का स्थानीय नेतृत्व इसे समझ नहीं रहा, बल्कि शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के धड़े को ज्यादा तवज्जो दे रहा है।

इस बीच शरद पवार ने इस चुनाव के बाद राजनीति से संन्यास के संकेत दे दिए हैं। वैसे माना जा रहा है कि यह उनका जज्बाती दांव भी हो सकता है। माना जा रहा है कि संन्यास के संकेत के जरिए शरद मतदाताओं को संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि उनके आखिरी चुनाव में उन्हें मौका दें। इसके जरिए वे एक तरफ वोटरों की हमदर्दी हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं तो दूसरी तरफ वे अजित पवार के खेमे को शिकस्त देने की कोशिश कर रहे हैं। एक बारगी मान भी लें कि पवार इस चुनाव के बाद राजनीति से संन्यास ले ही लेंगे तो यह सवाल लाजमी है कि उनके बाद एनसीपी का क्या होगा। पवार चाहेंगे कि उनके बाद उनकी बेटी सुप्रिया सुले ही पार्टी की कमान संभालें। लेकिन ऐसा होना आसान नहीं लगता। शरद के बाद पार्टी का बड़ा हिस्सा अजित पवार की ओर दौड़ लगा सकता है। जिसकी बात अजित से नहीं बनेगी, वह मजबूरीवश कांग्रेस की ओर जा सकता है। शायद एक वजह यह भी है कि महाराष्ट्र कांग्रेस का स्थानीय नेतृत्व उद्धव की बजाय शरद पवार की एनसीपी के साथ खुद को ज्यादा सहज महसूस कर रहा है।

महाविकास अघाड़ी में इस वजह से अंदरूनी खींचतान बढ़ी हुई है। वोटरों का एक बड़ा इसे समझ भी रहा है। ऐसे में मतदान के दिन वोटरों का एक बड़ा अपना मन बदल ले और सत्ताधारी महायुति की ओर हाथ बढ़ा दे तो उसकी कीमत महाविकास अघाड़ी को ही चुकानी पड़ेगी। इस तथ्य को महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रभारी रमेश चेनिथला गहराई से महसूस कर रहे हैं। इसलिए वे महाराष्ट्र की कांग्रेसी राजनीति को लंबे समय तक संभाल चुके नेताओं का सहयोग हासिल करने के लिए कांग्रेस आलाकमान से गुहार लगा रहे हैं। ताकि हरियाणा जैसे नतीजों से बचा जा सके।

वैसे कांग्रेस को उद्धव ठाकरे के स्वभाव को भी नहीं भूलना चाहिए। 2019 के विधानसभा चुनावों में उद्धव ठाकरे ने बीजेपी के साथ चुनाव लड़ा था। तब शिवसेना की सीटें कम आई थीं। इसके बावजूद वे मुख्यमंत्री बनने पर अड़ गए। जिसकी वजह से गठबंधन टूटा और शरद पवार के प्रयासों से उद्धव को हाथ का साथ मिला और उद्धव मुख्यमंत्री बनने में कामयाब रहे। ऐसे में यह मान लेना कि अगर कांग्रेस की ज्यादा सीटें आई तो उसका ही मुख्यमंत्री बनेगा, गलत होगा। उद्धव खुद को ही मुख्यमंत्री के रूप में आगे करने से नहीं हिचकेंगे। जिस पद के लिए उद्धव को बीजेपी से दशकों पुराना गठबंधन तोड़ने में हिचक नहीं हुई, उसी पद के लिए भला वे कांग्रेस को कैसे वाकओवर दे देंगे। महाविकास अघाड़ी में एनसीपी-शरद ऐसा दल है, जिसे हर हाल में सत्ता चाहिए। एनसीपी को दो नंबर की पार्टी होने पर भी इसके लिए एतराज नहीं होगा। वैसे शरद के लिए फिलहाल पार्टी को बचाए रखना बड़ी चुनौती होगी।

महाराष्ट्र के लोकसभा चुनाव नतीजों के हिसाब से देखें तो महाविकास अघाड़ी को 288 सदस्यीय विधानसभा में 153 सीटों पर बढ़त हासिल हुई थी, जबकि महायुति को 126 सीटों पर बढ़त मिली। संख्या के लिहाज से यह अंतर ज्यादा लगता है। लेकिन विधानसभा चुनावों के चरित्र के लिहाज से देखें तो यह अंतर बड़ा नहीं है। आपसी राजनीतिक खींचतान और गठबंधन के अविश्वास इस अंतर को पाटने के सहयोगी औजार बन सकते हैं। फिर बीजेपी मराठा बनाम अन्य के लिहाज से जातीय समीकरण बनाने की कोशिश में जुटी हुई है। ऐसे में अगर वह हरियाणा की तरफ फिर से बाजी मार ले तो हैरत नहीं होगी। महाविकास गठबंधन की आपसी खींचतान, कांग्रेस की अंदरखाने में उद्धव पर वर्चस्व स्थापित करने की कोशिश बीजेपी को अपना लक्ष्य हासिल करने में मददगार हो सकती है। महाराष्ट्र की राजनीति समझने वाले जानकार इस खींचतान और इसके भावी नतीजों को भांप भी रहे हैं। यह कहना मुश्किल है कि कांग्रेस का नेतृत्व इस तथ्य को समझ रहा है या नहीं।

क्या रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवा देंगे डोनॉल्ड ट्रंप?

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव नतीजों का इतनी बेसब्री से इंतजार पहले शायद ही कभी हुआ हो, और इसकी अकेली वजह यह कि इतने लंबे समय तक दो बड़ी लड़ाइयों का बोझ बर्दाश्त करना दुनिया के लिए मुश्किल साबित हो रहा है। डोनॉल्ड ट्रंप की छवि एक शांतिप्रिय राजनेता जैसी कभी नहीं रही लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध जल्दी रुकवा देने के उनके चुनावी बयान से यह उम्मीद जरूर बनी कि नैटो पक्ष की ओर से इस दिशा में कुछ बात तो शुरू होगी। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप अपने बयान से मुकर भी सकते हैं। कथनी और करनी को जोड़कर चलने की बाध्यता उन्होंने आजतक नहीं महसूस की है। लेकिन उनका जनाधार यूक्रेन के मोर्चे पर मामला ठंडा करने के पक्ष में है। विवेक रामास्वामी से लेकर इलॉन मस्क तक कई महत्वपूर्ण रिपब्लिकन नेता और समर्थक इसकी जोरदार वकालत करते रहे हैं। लिहाजा संभावना यही है कि ट्रंप के शपथ ग्रहण के साथ इस दिशा में कुछ हरकत होने लगेगी।

ऐसी कोई बात दूसरी लड़ाई, यानी फलस्तीनी इलाकों और लेबनान में जारी इस्राइल की सैन्य कार्रवाइयों को लेकर नहीं कही जा सकती। डॉनल्ड ट्रंप की नीति शुरू से इस्राइल को फलस्तीनी अरब बस्तियों पर हमले की खुली छूट देने की रही है।

अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने इस्राइल स्थित अमेरिकी दूतावास को वहां की राजधानी तेल अवीव से येरुशलम ले जाने का फैसला किया था, जो एक तरह से संयुक्त राष्ट्र के फैसले को खारिज करते हुए इस प्राचीन शहर पर पूरी तरह से इस्राइल का कब्जा घोषित करने जैसा था। ट्रंप की वापसी का इस्राइल-फलस्तीन युद्ध पर इतना ही असर हो सकता है कि पिछले कई दिनों से ईरान की ओर से इस्राइल पर जवाबी हमले की तैयारियों की जो खबरें आ रही हैं, वे शायद गलत साबित हों और ईरान अपने इस इरादे को हमेशा के लिए ठंडे बस्ते में डाल दे। उसने ऐसा नहीं किया तो उसे पहले से कहीं ज्यादा बड़े अमेरिकी दखल के लिए तैयार रहना होगा। यूं भी ट्रंप का रुख ईरान पर अधिक सख्ती बरतने का रहा है और उनकी वापसी से इस देश को भारी समस्या हो सकती है।

एक महत्वपूर्ण पहलू दुनिया की दोनों शीर्ष आर्थिक शक्तियों के आपसी रिश्ते का है। चीन से होने वाले आयात पर टैक्स की दरें बढ़ाकर उसके खिलाफ व्यापार युद्ध की शुरूआत डोनॉल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दूसरे साल से ही कर दी थी। हाल के अपने चुनावी भाषणों में उन्होंने इस मामले में और ज्यादा सख्ती दिखाने के संकेत दिए हैं। लेकिन चीन के प्रति जोसफ बाइडन की नीति भी ट्रंप से निरंतरता बरतने की ही रही है, लिहाजा किसी नाटकीय बदलाव की कल्पना करना कठिन है।

चीन द्वारा अमेरिका को किया जाने वाला निर्यात आज भी बहुत बड़ा है, लेकिन उसमें एक झटके में कोई बड़ी कटौती करने पर अमेरिका में महंगाई का मुद्दा बहुत तीखा हो जाएगा। कई चीजें ऐसी हैं जो अमेरिका में बनाने पर चीनी आयात की तुलना में कई गुना महंगी हो जाती हैं। इसके बावजूद, ट्रंप को अमेरिकी बाजारों में चीन का दखल घटाना है तो इसके लिए बयानों से आगे बढ़कर उन्हें लंबी तैयारी करनी पड़ेगी।

पिछले कार्यकाल में ट्रंप का सबसे तीखा टकराव यूरोप की सरकारों द्वारा रक्षा के मद में बहुत कम खर्च किए जाने को लेकर था। दरअसल, कई दशकों से वे यह मानकर चल रही थीं कि यूरोप की सुरक्षा की जिम्मेदारी सबसे बढ़कर अमेरिका पर है, जिसकी एटमी मिसाइलों और राडारों के लिए जगह मुहैया करा देने के बाद उन्हें कुछ विशेष चिंता करने की जरूरत नहीं है। यूक्रेन-रूस युद्ध के दौरान उनकी यह सोच अचानक उनके गले पड़ गई है। आर्थिक रूप से भी इस लड़ाई ने यूरोपीय देशों की हालत काफी खराब कर रखी है। ऐसे में अमेरिका पर हर लिहाज से उनकी निर्भरता बहुत बढ़ गई है और ट्रंप इसका फायदा उठाने का कोई मौका नहीं चूकने वाले।

रही बात ट्रंप के नए कार्यकाल में भारत और अमेरिका के व्यापारिक और कूटनीतिक रिश्तों की तो ऊपर से इसमें कोई समस्या नहीं लगती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डॉनल्ड ट्रंप के साथ बहुत अच्छे निजी संबंध रहे हैं। लेकिन बाइडन ने जैसे रूस पर हजारों प्रतिबंध लगाने के बावजूद भारत को उससे तेल आयात करने और उसका शोधन करके पेट्रो पदार्थ यूरोप और अफ्रीका को बेचकर भरपूर फायदा कमाने की छूट दी थी, उस राह पर चलने की कोई बाध्यता ट्रंप के सामने नहीं होगी।

भारत की रणनीतिक दिशा पिछले कुछ सालों से तलवार की धार पर चलते हुए विरोधी खेमों को साधे रहने की रही है। ट्रंप का मुंहफट राजनय अगले कुछ महीनों में ही इसमें कई मुश्किल उलटफेर जरूरी बना सकता है। ऐसा एक बड़ा मामला डी-डॉलराइजेशन, यानी डॉलर के प्रभुत्व से हटकर एक समानांतर ग्लोबल वित्तीय और व्यापारिक प्रणाली के निर्माण का है।

ब्रिक्स की तरफ से कुछ शुरूआती कदम इस दिशा में उठाए जा चुके हैं और अगले साल ब्राजील में इनके और जोर पकड़ने की उम्मीद है। ट्रंप ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान डॉलर से दूर जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की धमकी दी थी। लेकिन दुनिया भर में अगर डी-डॉलराइजेशन की ललक देखी जा रही है तो इसके पीछे कोई साजिश नहीं है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था की हालत अब विश्व-अर्थव्यवस्था की अकेली धुरी जैसी नहीं रह गई है। कोई चमत्कार न हुआ तो ट्रंप के कार्यकाल में ही डॉलर की चमक पहले जैसी नहीं रह जाएगी।

भारत को कई अपेक्षाएं हैं ट्रंप की सत्ता में वापसी से

एक शानदार जीत के बाद अब डोनॉल्ड ट्रंप आगामी 20 जनवरी 2025 को विश्व के सबसे शक्तिशाली देश संयुक्त राज्य अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार ग्रहण करेंगे। अमेरिका सबसे शक्तिशाली देश होने के कारण दुनिया का चौधरी भी है, इसलिए सारे विश्व की नए राष्ट्रपति से कुछ अपेक्षाएं भी होंगी तो रूस और चीन जैसे कुछ देशों को उनसे आशंकाएं भी होनी स्वाभाविक ही है।

पिछले ट्रंप प्रशासन (2017-2021) के दौरान भारत-अमेरिका संबंधों में कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले, लेकिन कुल मिलाकर इसे भारत का मिलाजुला अनुभव कहा जा सकता है। उस समय ट्रम्प प्रशासन के दौरान भारत के साथ अमेरिका के रिश्तों में कुछ अहम पहलुओं पर जोर दिया गया था।

भारत को भी इस शक्तिशाली देश के सर्वाधिक शक्तिशाली नेता से अवश्य ही कई अपेक्षाएं हैं। चूंकि डोनॉल्ड ट्रंप से हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के व्यक्तिगत सम्बन्ध भी हैं इसलिए अगले ट्रंप प्रशासन से हमारी कुछ ज्यादा ही अपेक्षाएं होनी स्वाभाविक ही है।

पिछले ट्रंप प्रशासन के दौरान भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों में मजबूती आई थी। दोनों देशों ने विभिन्न रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर किए और सैन्य सहयोग बढ़ाया। कम्बाइंड मिलिटरी एक्सरसाइज और भारत को मेजर डिफेंस पार्टनर का दर्जा देने से रणनीतिक साझेदारी को प्रोत्साहन मिला। पिछले ट्रम्प प्रशासन (2017-2021) ने चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए भारत को एक महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में देखा था।

भारत और अमेरिका दोनों ही चीन के आक्रामक रवैए के खिलाफ मिलकर काम करने की ओर अग्रसर हुए। भारत-चीन सीमा विवाद के दौरान अमेरिका ने भारत के पक्ष में कई बयान दिए, जिससे द्विपक्षीय संबंधों को एक रणनीतिक दिशा मिली थी। अतः भारत और अमेरिका के बीच चीन के प्रभाव को चुनौती देने के लिए साझा रणनीतियां बनाने की उम्मीद की जा सकती है।

ट्रंप प्रशासन ने पहले भी भारत को एशिया-प्रशांत क्षेत्र में एक प्रमुख भागीदार के रूप में देखा था। अगला ट्रंप प्रशासन खास कर सीमा विवाद और क्षेत्रीय सुरक्षा मामलों में भारत के प्रयासों का समर्थन कर सकता है। अब भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग में और विस्तार की संभावना है, जिससे भारत को अत्याधुनिक रक्षा उपकरणों और तकनीकी सहयोग का लाभ मिल सकता है। इससे भारत की सैन्य ताकत बढ़ने के साथ-साथ दोनों देशों के बीच सामरिक साझेदारी भी और मजबूत होगी।

व्यापारिक संबंध और तनाव पिछले ट्रंप प्रशासन के दौरान व्यापार विवादों में वृद्धि हुई। अमेरिका ने भारत पर अपने व्यापार घाटे को कम करने के लिए दबाव डाला था। इसके अलावा ट्रम्प ने भारत की उच्च टैरिफ और ड्यूटी जैसे कुछ व्यापारिक निर्णयों को लेकर आलोचना की थी। हालांकि उस दौर में रक्षा उपकरणों की बिक्री जैसे कुछ महत्वपूर्ण समझौते भी हुए थे जो दोनों देशों के आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने में सहायक थे।

अगला ट्रंप प्रशासन इन मुद्दों को फिर से उठा सकता है। हालांकि यदि दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्ते मजबूत होते हैं, तो भारत को अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों में कुछ लचीलापन और बेहतर साझेदारी की उम्मीद हो सकती है। भारत को उम्मीद हो सकती है कि अगला ट्रम्प प्रशासन व्यापारिक फैसलों में अमेरिका फर्स्ट दृष्टिकोण अपनाएगा, लेकिन वह भारत से अपने व्यापार घाटे को घटाने के लिए भी दबाव बना सकता है।

इस बार भारत को अमेरिका से मित्रतापूर्ण बीजा नीति की भी अपेक्षा रहेगी। पिछली बार ट्रम्प प्रशासन की वीजा नीति, विशेष रूप से एच-1बी वीजा को लेकर भारतीय पेशेवरों के लिए अनुकूल नहीं थी। ट्रम्प के प्रशासन ने प्रवासी नीति को सख्त किया था जिससे भारतीय प्रवासियों और पेशेवरों, खासकर एच-1बी वीजा धारकों के लिए कुछ चुनौतियां उत्पन्न हुईं।

ट्रम्प की अमेरिका फर्स्ट नीति ने वीजा आवेदनों पर प्रतिबंध और अन्य नियमों में कड़ाई लाने का प्रयास किया था। अब भारत को उम्मीद हो सकती है कि ट्रम्प प्रशासन अपने अमेरिका फर्स्ट दृष्टिकोण के तहत प्रवासी नीति को सख्त रखे लेकिन यदि कोई सुधार होता है तो भारतीय पेशेवरों को वीजा प्रक्रिया में राहत मिले। भारतीयों के अमेरिका में योगदान को लेकर ट्रम्प प्रशासन की नीतियों में कुछ सकारात्मक संकेत भी हो सकते हैं, जैसे भारतीय समुदाय के लिए विशेष योजनाएं और सम्मान। ट्रंप प्रशासन ने 2017 में पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका को बाहर कर लिया था और यह निर्णय भारत सहित कई देशों के लिए चिंताजनक था। ट्रम्प के पुनः राष्ट्रपति बनने पर भारत को यह चिंता हो सकती है कि वह फिर से इस समझौते से बाहर हो सकता है,

प्रत्येक शुक्रवार को आयोजित हो रही ग्राम चौपाल

मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राम चौपाल में नामित अधिकारियों को उपस्थित रहने के दिए निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन ने बताया कि शासन के उच्च निर्देशों के क्रम में प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल आयोजित की जा रही है। सुमित राजेश महाजन ने कहा कि संज्ञान में आया है कि कतिपय ग्राम पंचायतों में संबंधित नामित अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग नहीं किया जा रहा है। जिसके कारण उनके विभाग से संबंधित समस्याओं का निराकरण नहीं हो पा रहा है। यह स्थिति अत्यन्त ही खेदजनक एवं लापरवाही का प्रतीक है। उन्होने कहा कि उनके द्वारा स्वयं किए जाने वाले भौतिक सत्यापन के दौरान यदि कोई अधिकारी अनुपस्थित पाया जाता है तो उसके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी ने नामित सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि संबंधित सभी अधिकारी नियत दिन को निर्धारित ग्राम पंचायत में आयोजित ग्राम चौपाल में प्रातः 11:00 बजे से समाप्ति तक उपस्थित रहकर जन सामान्य की शिकायतों का मौके पर निस्तारण करते हुए ग्राम्य विकास विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रमों एवं निर्माण कार्यों का भौतिक सत्यापन कराना सुनिश्चित करें। यदि किसी योजना के बारे में कोई व्यवहारिक कठिनाई आती है तो उस कठिनाई को भी निस्तारित किया जाए। सुमित राजेश महाजन ने खण्ड विकास अधिकारियों एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा आगामी दिनों में आयोजित किये जाने वाले ग्राम चौपालों के निर्धारित तिथि से पूर्व उस ग्राम पंचायत में स्वच्छता एवं साफ-सफाई अभियान जन सहयोग से चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम चौपाल में जन प्रतिनिधियों को खण्ड विकास अधिकारियों द्वारा आमंत्रित किया जाए। इसमें मनरेगा का मजदूरी भुगतान, समूहों की गतिविधियां, विद्युत सखी, लखपति महिलाएं, टीएचआर प्लान्ट, पंचायत भवन, सामुदायिक शौचालय, टीकाकरण, राशन वितरण, गौआश्रय स्थल, आंगनबाडी, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, एएनएम सेन्टर, कल्याणकारी पेंशन एवं छात्रवृत्तियों का सत्यापन किया जाए।उन्होंने कहा कि इसमें आयुष्मान कार्ड, किसान सम्मान निधि, कृषि रक्षा से जुडे विषय, प्राकृतिक एंव ऑर्गेनिक खेती, हर घर नल से जल तथा सुशासन जैसे विषयों पर अनिवार्य रूप से चर्चा की जाए। प्रत्येक ग्राम चौपाल में संबंधित ग्राम के लेखपाल एवं राजस्व निरीक्षक भी उपस्थित रहेंगे तथा चकमार्ग, सार्वजनिक भूमि, आदि की पौमाईश का कार्य भी चौपाल दिवस में कराया जाए। इसमें सभी विभागों के संबंधित ग्राम स्तरीय अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहना सुनिश्चित करें। ग्राम पंचायतों को आदर्श ग्राम पंचायत बनने के लिए प्रेरित किया जाए। ग्राम चौपाल में खण्ड विकास अधिकारी ग्राम से बाहर रहने वाले व्यक्तियों का विवरण, स्वतंत्रता सेनानी, स्टेट एवं नेशनल लेवल के खिलाडी से युक्त एक बुकलेट तैयार करें। सभी खण्ड विकास अधिकारी एवं नोडल अधिकारी यहां उठाई गयी समस्याओं एवं उसके निस्तारण की प्रविष्टि से संबंधित एक रजिस्टर तैयार करें। चौपाल के एक माह बाद उसी ग्राम में शनिवार को तहसील एवं समाधान दिवस को छोडकर समस्या का फीडबैक प्राप्त करते हुए मुख्य विकास अधिकारी को इससे अवगत कराना सुनिश्चित करें। खण्ड विकास अधिकारी द्वारा ही चौपाल से संबंधित समस्त व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करवाया जाए तथा प्रत्येक चौपाल एक डिजिटल डायरी तैयार की जाए जिसमें कार्यक्रम के फोटोग्राफ्स भी सम्मिलित हों। इसको जनपद स्तर पर संरक्षित रखा जाए।

रस पकाने में ईंधन के रूप में प्लास्टिक का प्रयोग कर रहे

कोल्हू संचालकों पर कार्रवाई की मांग को लेकर भाकियू महाशक्ति ने एसडीएम सदर को सौंपा ज्ञापन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर (नागल)। भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति के एक प्रतिनिधिमंडल ने उप जिलाधिकारी सदर को ज्ञापन सौंपते हुए रस पकाने में ईंधन के रूप में प्लास्टिक का प्रयोग कर रहे कोल्हू संचालकों पर कार्रवाई की जाने की मांग की। संगठन के जिला प्रभारी रविन्द्र त्यागी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित कोल्हुओं मे रस पकाने के लिए भट्टी में पुराने जूते, चप्पल व टायर आदि जलाए जा रहे है, जिससे निकलने वाले खतरनाक धुएं से प्रदूषण फैल रहा है, आमजन का सांस लेना भी मुश्किल हो रहा है। सरकार पराली जलाने पर किसानों पर मुकदमें कर रही है, जबकि कोल्हू संचालकों को प्रदूषण विभाग ने खुली छूट दे रखी है। विभाग को ऐसे कोल्हू संचालकों की जांच कर इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश मुख्य महासचिव अरविन्द त्यागी, जिलाध्यक्ष मजदूर मोर्चा तसव्वुर चौहान, जिला उपाध्यक्ष सौरभ त्यागी, महासचिव खालिद, जिला संरक्षक गोपाल त्यागी, आदेश त्यागी, मुकेश त्यागी सतेन्द्र त्यागी, फरमान अली, मरगुब अली नदीम, शकील अहमद, मोहित शर्मा आदि शामिल रहे।

संकुल प्रभारी प्राचार्य की कलेक्टर महोदय से हुई शिकायत

कई अनुपस्थित शिक्षकों का पैसा लेकर वेतन निकालने का है मामला

इनका कहना

मेरे संज्ञान में मामला आया है मै इसकी जांच कर रहा हूं और जांच में जो जो इस प्रकरण में दोषी पाए जाते है मै उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही कर एफ आई आर दर्ज करवाऊंगा एवं दोषियों पर अवश्य कार्यवाही होगी।

बी ई ओ पुष्पराजगढ़
श्रीमान सतीश तिवारी जी

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।

अनुपपुर, अनुपपुर जिले की पुष्पराजगढ़ जनपद अंतर्गत बिलासपुर ग्राम पंचायत में स्थित संकुल प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिलासपुर पुष्पराजगढ़ के द्वारा वर्ष 2014/15 से लगातार अनुपस्थित शिक्षक दिलीप सिंह श्याम प्राथमिक शिक्षक के लगातार अनुपस्थित रहने के बाद भी वेतन आहरण करने वाले प्राचार्य यशवंत सोनवानी की शिकायत उन्हीं के विद्यालय के एक जनशिक्षक मोहन दास गोयल ने कलेक्टर महोदय से की जिस पर कलेक्टर महोदय द्वारा बी ई ओ पुष्पराजगढ़ को जांच के आदेश दे दिए है । शिकायत करता द्वारा बताया गया कि यशवंत सोनवानी द्वारा अनुपस्थित शिक्षकों का वेतन आहरण लगातार किया जाता है एव इनसे अनुपस्थित शिक्षकों के बारे में जानकारी लेने पर इनके द्वारा गंदी गंदी गालियां दी जाती हैं और कहा जाता है जहा शिकायत करना हो कर दो मेरा कुछ न बिकड़ेगा। अब तो जांच ही बता पाएगी कि यशवंत सोनवानी का कुछ बिगड़ेगा या नहीं। शिकायत करता द्वारा बताया गया कि सोनवानी जी अन्य वित्तीय अनियमितता में भी संलिप्त रहते है एवं अपनी पहुंच की बात बताते है।

सेल्वी ट्रेडर्स द्वारा उच्च गुणवत्ता पूर्वक किया जा रहा सी एम राइस विद्यालय का निर्माण

गुणवत्ता जांच मशीन से हो रही नियमित जांच

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनुपपुर, अनुपपुर जिले के खूंटा टोला ग्राम में लोक निर्माण विभाग पी आई यू अनुपपुर द्वारा निर्माण कराया जा रही सी एम राइस विद्यालय की बिल्डिंग में ठेकेदार का कार्य कर रही सेल्वी ट्रेडर्स द्वारा उच्च गुणवत्ता पूर्वक कार्य कराया जा रहा है गुणवत्ता जांच यंत्र से गुणवत्ता जांच कर ही कार्य किया जा रहा है जिससे विद्यालय भवन निर्माण में कोई भी लापरवाही न हो सके एवं विद्यालय भवन मजबूत बनाया जा सके सेल्वी ट्रेडर्स द्वारा स्थानीय मजदूरों को कार्य पर रखा गया है जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिल सके इसके साथ साथ ही सेल्वी ट्रेडर्स मजदूरों के लिए सुरक्षा नियम का भी पूरा ध्यान रख कर ही मजदूरों को साइड में कार्य कर रही है जिससे कोई भी दुर्घटना न हो सके नियमित तौर पर पी आई यू के उच्च अधिकारी भी इस भवन निर्माण की गुणवत्ता जांचते रहते है जिससे किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं हो पाती है , सेल्वी ट्रेडर्स के साइड इंचार्ज श्रीमान शियाद अली ने जानकारी देते हुए बतलाया कि हमारी कंपनी की उच्च स्तरीय भवन निर्माण मटेरियल का ही उपयोग कर रही है एवं कुशल मजदूरों एवं कारीगरों द्वारा ही कार्य को कराया जा रहा है उन्होंने जानकारी देते ये भी बताया कि इस विद्यालय भवन की मजबूती का विशेष ध्यान रखा जा रहा है क्योंकि ये भवन देश के नौ निहाल बच्चों के भविष्य निर्माण के लिए बनाया जा रहा है। साइड इंचार्ज ने ये भी जानकारी दी कि हम अपनी गुणवत्ता जांच यंत्र या मशीन से तो इसकी गुणवत्ता जांच करते ही है साथ ही पी आई यू विभाग से भी इसकी गुणवत्ता की जांच हम नियमित कराते रहते है ।। इस तरह की निर्माण एजेंसी ही देश के विकास में मील का पत्थर साबित होती है जो उच्च गुणवत्ता पूर्वक निर्माण कार्य करती है।

मृत प्रधान आरक्षक को सलामी देकर पुलिस ने दी विदाई

तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर, बगहा में हुआ था हादसा

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।

सतना, सड़क हादसे में दिवंगत पुलिस के प्रधान आरक्षक विजय लड़िया के घर सीएसपी के नेतृत्व पुलिस बल ने पहुंच कर अंतिम सलामी दी। उल्लेखनीय है कि सतना के बगहा के पास बुधवार को तेज रफ्तार कार की टक्कर से हेड कांस्टेबल की मौत हो गई। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक सतना जिले के जैतवारा थाना में पदस्थ हेड कांस्टेबल विजय लाडिया बुधवार की रात में अपनी बाइक से जैतवारा से सतना किसी काम से आ रहे थे। रात लगभग 9 बजे शहर के बगहा स्थित लवडेल स्कूल के पास लाल रंग की तेज रफ्तार पजेरो (नंबर एमपी 19 एमजे 0011) ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही विजय सड़क पर गिर गए। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत हेड कांस्टेबल को सतना

जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां चैकअप के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही एसपी आशुतोष गुप्ता, सीएसपी महेंद्र सिंह, टीआई कोतवाली रावेंद्र द्विवेदी, टीआई सिविल लाइन योगेंद्र सिंह, समेत तमाम पुलिस अधिकारी और कर्मचारी जिला अस्पताल पहुंचे। जैतवारा थाना प्रभारी भी खबर मिलने पर अस्पताल पहुंचे। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्चरी में रखवा दिया गया है। आज पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। डेढ़ महीने में दूसरे पुलिसकर्मी की सड़क हादसे में मौत: गौरतलब है कि सतना शहर में सड़क हादसे में पिछले डेढ़ महीने के दौरान पुलिस कर्मी की मौत का यह दूसरा मामला है। इसके पहले नवरात्रि के दौरान नए फ्लाई ओवर पर हुए हादसे में प्रधान आरक्षक संतोष कुशवाहा गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जिनकी पिछले हफ्ते इलाज के दौरान मौत हो गई। आरोपी वाहन लवडेल में मिला पुलिस कर्मी विजय लड़िया को लाल रंग की पजेरो वाहन ने कुचला था, जिसके बाद उनकी मौत हो गई। कुचलने के बाद आरोपी चालक ने लवडेल स्कूल के अंदर वाहन खड़ा कर स्वयं को निर्दोष साबित करने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस की जांच और घटनास्थल से मिले सीसीटीवी फुटेज से लाल रंग की पजेरो के चालक के विरुद्ध प्रमाण मिले हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार लाल रंग की पजेरो लवडेल स्कूल से जुड़े लोगों की है, आरटीओ की साइट में वाहन मालिक के नाम का यमेख नहीं दिख रहा। पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है। परन्तु अब देखना यह होगा कि कई राजनीतिक पार्टियों से साठ गांठ करने वाला लवडेल का संचालक इस पूरे मामले में राजनीतिक रसूक अपनाकर बच निकलता है या फिर पुलिस इस मामले में कार्यवाही करती है।

अमेज़न और फ्लिपकार्ट पर ईडी की छापेमारी
कानून अपना काम करेगा - कैट

सतना, भारत एक सशक्त लोकतांत्रिक देश है, जो कानून और संविधान द्वारा शासित है। किसी को भी इन कानूनों का उल्लंघन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्स और अन्य व्यापारिक संगठनों ने पिछले कुछ वर्षों से लगातार इन मुद्दों को उठाया है।कन्फ़ेडरेशन आफ आल इंडिया टेंडर्स कैट म प्र के सचिव अशोक दौलतानी ने बताया कि आज कैट के राष्ट्रीय महामंत्री दिल्ली सांसद प्रवीण खण्डेलवाल ने कहा कि मैं प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई का स्वागत करता हूँ, जो सही दिशा में उठाया गया कदम है। इससे पहले, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने भी अमेज़न, फ्लिपकार्ट और उनके पसंदीदा विक्रेताओं को छोटे व्यापारियों और किराना दुकानों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के लिए जुर्माने का नोटिस जारी किया था। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में नए भारत में, कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। कैट का मुझे मानना है कि अब कानून अपना सही कार्य करेगा और छोटे दुकानदारों की आजीविका की रक्षा करेगा। यह सरकार इस बात के लिए प्रतिबद्ध है कि किसी भी संस्था को व्यापारिक समुदाय को नुकसान पहुँचाने की अनुमति न दी जाए। विदेशी निवेश नियमों के उल्लंघन और क्विक कॉमर्स कंपनियों जैसे ब्लिंकिट, स्विगी और ज़ेप्टो द्वारा अपनाए गए प्रतिस्पर्धा-विरोधी उपायों के संबंध में व्यापारिक समुदाय द्वारा दर्ज की गई ।

कैट के प्रदेश सचिव अशोक दौलतानी ने कहा अनेक शिकायतों के जवाब में, हम *CCI* और *ED* से अपील करते हैं कि वे तेजी से कार्रवाई करें, ताकि छोटे व्यापारियों के व्यवसाय को और अधिक अपूरणीय क्षति से बचाया जा सके।

कटनी में भाजपा कार्यकर्ताओं का थाने में हंगामा

पुलिस पर अभद्रता का आरोप, वीडियो वायरल

सुनील यादव । सिटी चीफ ।

कटनी, कटनी जिले के भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का कोतवाली थाने में पुलिस कर्मियों के साथ गली गलौज करने और हंगामा करने का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है यह वीडियो कल देर रात्रि का बताया जा रहा है जिसमे साफ देखा जा सकता है कि किस तरह भाजपा के लोग गली गलौज और हंगामा करते दिखाई दे रहे है।सोशल मीडिया में गली गलौज करते ओर हंगामा करने का वीडियो वायरल होने बाद कटनी युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष अंशु मिश्रा ने पलटवार करते हुए कहा कि भारती जनता युवा मोर्चा के पदाधिकारी द्वारा पुलिस के साथ गली गलौज और कोतवाली थाने में हंगामा करते दिखाई दे रहे है वही उनके द्वारा पुलिस को यह भी कहते दिखे कि कटनी में गांजा स्मैक बिक रही है। जिसको केलर अंशु मिश्रा ने यह भी कहा कि सीएम मोहन यादव जी क्या आपके के भाजपा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता सच बोल रहे है। वही अंशु मिश्रा ने कटनी एस पी से यह गुजारिश भी की है कि इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जाए और दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए। सोशल मीडिया में वीडियो में दिख रहे भाजपा नगर अध्यक्ष अभिषेक ताम्रकार ने कहा कि इस वायरल हो वीडियो में छोड़ छाड़ हुई है और यह वीडियो कल देर रात का है वहा किसी भी तरह की कोई गली गलौज नहीं हुई है। ओर दरअसल यह पूरा मामला सिर्फ इतना था कि भाजपा के एक पदाधिकारी को कोतवाली पुलिस ने एक पान की दुकान से जबरन अरेस्ट कर थाने ले आई थी और ज्यादा थाने ने हंगामा न हो इस लिए वह थाने पहुंचे थे और पूरे मामले को शांत कराया था। थाने में हंगामा जरूरी हुआ है लेकिन गली गलौज नहीं हुई है।

पत्नी के अवैध संबंधों और पैसों के विवाद में युवक की निर्मम हत्या

घनिष्ठ मित्र ही बना मास्टरमाइंड

सुनील यादव । सिटी चीफ ।
कटनी, कटनी जिले के स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र 1 नवम्बर की दरमियानी रात को सूचना प्राप्त हुई कि घुघरी रोड की तलेया के पास मरघटाई के पास एक अज्ञात व्यक्ति मृत खून से लथपथ पड़ा हुआ है और आसपास खून के निशान है,साथ ही मृतक को जिन्दा जलाकर हत्या करने का मामला है पुलिस द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी ओर इस मामले में 4 आरोपियों का अरेस्ट कर लिया है वही एक आरोपी अभी भी फरार है। कटनी एसपी अभिजीत रंजन ने बताया कि 1 नवम्बर की दरमियानी रात एक व्यक्ति की शव अधजली अवस्था में मिली जिसके सर को पत्थर से कुचला गया था और चारों ओर खून ही खून था। मौके पहुंची स्लीमनाबाद पुलिस द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी, मृतक की

पहचान संदीप यादव पिता महेन्द्र प्रताप यादव उम्र 30 साल निवासी सलैया थाना असपुर देवसरा जाला प्रतापगढ उत्तर प्रदेश के रूप में हुई जो वर्तमान में जौनपुर में रहता था जहां इसकी ऑटोपार्ट्स की दुकान थी जिसमे यह गाड़ी सुधारने का काम करता था। वही पुलिस ने पूरे मामले की जांच के दौरान अरेस्ट हुए आरोपियों से पृथक पृथक पूछताछ की गई, पूछताछ के दौरान यह बात सामने आएगी इस पूरे घटनाक्रम का मास्टरमाइंड दीपक यादव है जो जौनपुर का रहने वाला है और मृतक संदीप यादव का खास दोस्त भी था, इसका मृतक की पत्नी से विगत एक दो सालों से अवैध संबंध थे एवं संदीप यादव को यह बात पता चल गई थी साथ ही मृतक संदीप यादव अपनी पत्नी को प्रताड़ित करता था साथ ही आरोपी दीपक यादव ने मृतक संदीप यादव को दुकान खोलने के लिए पैसे उधार दिए थे जो वह नहीं चुका रहा था और अपनी पत्नी बच्चों का भी खाना खर्चा नहीं दे रहा था। चूंकि दीपक यादव मृतक की पत्नी से अत्यंत प्रेम करता था इसलिए उसे यह सब सहन नहीं हुआ और उसने यह बात अपने मित्र सत्येंद्र यादव को बताई और कुछ उपाय करने का प्लान किया। आरोपी सत्येंद्र यादव एक आदतन आरोपी है जो चोरी एवं अवैध शस्त्रों के मामले में अन्य थाना क्षेत्र में पकड़ा गया है जिसकी अभी तलाश की जा रही है। आरोपी सत्येंद्र यादव और दीपक यादव ने मिलकर इस पूरे घटनाक्रम को अंजाम देने के लिए मृतक के मारने की योजना बनाई और धनतेरस के पूर्व स्लीमनाबाद क्षेत्र में आकर रेकी की थी और अभिषेक यादव के यहां रुके भी थे। इस योजना में दीपक यादव ने सत्येंद्र यादव को 1 लाख रुपए देने की बातचीत की जिसमें से 10 हजार रुपए एडवांस सत्येंद्र यादव को दे चुका था। आरोपी संदीप यादव का चचेरा भाई अभिषेक यादव घुघरी में रहता है और संदीप यादव का विगत कई वर्षों से यहां आना-जाना है जिस वजह से वह इस क्षेत्र से परिचित था। रेकी करने के बाद सत्येंद्र यादव ने अपने अन्य साथीयों आनंद यादव, विधि उल्लंघनकारी बालक एवं चचेरे भाई अभिषेक यादव को इस कार्य हेतु अपनी टीम में लालच देकर शामिल किया था। जिसमें से अभी एक आरोपी फरार है। जिसे जल्द ही अरेस्ट कर लिया जाएगा।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में लिये गये अहम निर्णय

कीर्ति स्तंभ से लेकर कलेक्ट्रेट तक मॉडल रोड एवं एक बड़ा भव्य हाईटेक ऑडिटोरियम बनाया जायेगा, इसके लिये शहर में एक जगह शीघ्र चिन्हित कर ली जाये-सांसद राहुल सिंह

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ
दमोह, कीर्ति स्तंभ से लेकर कलेक्ट्रेट तक का मॉडल रोड का काम शुरू हो जाए और समय सीमा में हो जाये। जिला मुख्यालय पर एक बड़ा भव्य हाईटेक ऑडिटोरियम बनाया जायेगा, जिसमें न्यूनतम 500 सीटर हो, लोग एक साथ बैठ सके, जो कि सर्व सुविधा युक्त हो इसके लिये शहर में एक जगह शीघ्र चिन्हित कर ली जाये, पार्किंग आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाये यह कार्य एक वर्ष के भीतर हो जाये, इसका होमवर्क 10 दिवस में कर लिया जाये, मानस भवन के रिनोवेशन का कार्य भी कराया जाये। इसके अलावा समन्ना बाईपास पर बने प्रधानमंत्री आवास के निर्माणों में प्रगति लाई जाये, इसे समय सीमा में पूर्ण सुनिश्चित किया जाये। यह बात दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी ने आज जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में कही। इस मौके पर प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटैल, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा, वनमंडल अधिकारी ईश्वर जरांडे सहित समिति के सदस्यगण एवं जिला अधिकारी मौजूद थे। सांसद ने कहा खाद्य आपूर्ति पूरे जिले में व्यवस्थित और सुचारू हो जाए, जल्दी से जल्दी खरीदी केंद्र चालू हो जाए, किसान का एक-एक दाना खरीदने के लिये सरकार प्रतिबद्ध है, सरकार चाहे केंद्र की हो, चाहे राज्य की हो एक-एक दाना खरीदा जाएगा और यदि कोई किसान रह जाता है तो उसकी समय सीमा बढ़ाई जाएगी, उसका भी अन्न खरीदा जाएगा। जो योजना सरकार ने बनाई है, कितना भी उसके लिए समय लगे उसको पूर्ण किया जायेगा। जल निगम, लोक निर्माण विभाग, जनपद पंचायतों के अलावा अन्य विभागों की समीक्षा की गई। सांसद राहुल सिंह ने कहा सभी स्टापडेमों पर गेट लग जायें यह सुनिश्चित किया जाये, 10 दिवस में यह कार्य पूर्ण किया जाये, बांस रोपण के संबंध में योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिले अनुदान की राशि जनप्रतिनिधियों के माध्यम से वितरण कराई जाये। उन्होंने कहा बरसात में नुकसान हो

जाता है, धान, उड़द, सोयाबीन का नुकसान हो जाता है, इसके पहले हथनी से लेकर झापन तक किसानों को प्रोत्साहित किया था, उन लोगों ने मक्का बोना शुरू किया, इस बार हम लोगों ने मिलकर तय किया है कि मक्का अधिक से अधिक बोये। मक्का बोयेंगे तो उसके लिए यहां पर केंद्र खुलवायेंगे, निश्चित ही उसके भी परिणाम बहुत सुखद आएंगे। उन्होंने बैठक में पिछली बैठकों के संबंध में भी जानकारी ली और उन कार्यो को तय समय पर करने के लिए कहा। बैठक में बताया गया ओवर ब्रिज के तीन पर काम चल रहा है एक पर स्टे लगा हुआ है जैसे ही स्टे हटता है उस पर काम होगा। सांसद श्री लोधी ने कहा भारत सरकार का यह मानना है कि जितने मानव चलित क्रॉसिंग है, उन सभी को बंद करना है। उन्होंने कहा सरदार वल्लभभाई पटेल ओवर ब्रिज का ट्रांसफर पंचायत से नगर पालिका में किया गया है और बहुत जल्द ही लाइट चालू हो जाएगी।प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा मानस भवन को संस्कृति विभाग के द्वारा एक बड़े ऑडिटोरियम में परिवर्तित किया जायेगा, यह सौगात दमोह को दी जायेगी, जिला स्तर पर एक बड़ा ऑडिटोरियम बन जाए, जो कि सर्व सुविधा युक्त हो इसके लिए संस्कृति विभाग द्वारा काम किया जाएगा। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री जी भी आए थे, उन्होंने भी घोषणा की है कि दमोह को पर्यटन हब के रूप में विकसित किया जायेगा, दमोह के जितने प्रसिद्ध स्थान है बांदकपुर, खर्राघाट में शिव जी का मंदिर, सिंग्रामपुर, कुंडलपुर ऐसे सारे स्थानों को लेकर धीरे-धीरे योजना बनाकर पर्यटन के क्षेत्र में आगे ले जाने का काम किया जायेगा।राज्यमंत्री धर्मेंद्र लोधी ने कहा टाईगर रिजर्व में भी पर्यटन की दृष्टि से एक योजना बन रही है, उसमें एमपीटी के होटल्स खोलने की योजना बना रहे हैं, रास्ते में मिडवे में भी एमपीटी होटल्स खुलें, इसकी रचना योजना जल्द ही सामने आएगी। निश्चित रूप से दमोह का विकास होगा। जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटेल ने कहा बैठक में सबसे बड़ा निर्णय मानस भवन का लिया गया है, उन्होंने सांसद जी और मंत्री का धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कहा मानस भवन बनाने की हमें एक अच्छी सौगात मिली है। बैठक में जल निगम के बारे में बात हुई जिन ग्रामों में खासकर पथरिया और बटियागढ़ के ग्रामों में कहीं-कहीं जल निगम का पानी नहीं जा रहा है, इसके बारे में बात हुई, अधिकारियों ने कहा है कि जो ग्राम पानी विहीन है वहां जल्द से जल्द यह योजना लागू करवाएंगे।कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा मंत्री , सांसद और जिला पंचायत अध्यक्ष की उपस्थिति में आज जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक हुई है। बैठक में विभिन्न विषयों के ऊपर विशेष रूप से विकास कार्यों के ऊपर चर्चा हुई है, साथ में किसानों से जुड़े हुए विषय, हितग्राही मूलक योजनाएं सहित अन्य विषयों पर भी चर्चा हुई है। सांसद जी और मंत्री जी ने निर्देश दिए हैं और निर्देशों का पालन करने का दायित्व संबंधित अधिकारियों को सौपा गया है, कुछ निर्देश ऐसे हैं जिन्हें अगले 10 दिनों के अंदर क्रियान्वित करने का प्रयास किया जायेगा, उन्हें चिन्हित कर लिया गया है, उनका बहुत तेजी से क्रियान्वयन करेंगे। उन्हें संबंधित अधिकारियों से कहा अगली बैठक 3 महीने में करेंगे उससे पहले सभी निर्णय क्रियान्वित हो जाए सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा ने कहा कार्यकाल की पहली जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई, उसमें जो भी एजेंडा थे उसमें समस्त विभागों ने अपने-अपने प्रदर्शन दिखाएं, जो भी पुराना पालन-प्रतिवेदन था उस पर भी चर्चा की गई। इसी के साथ-साथ सांसद ने विभागों को निर्देश दिए हैं कि मक्का की फसल को बढ़ावा देना, जल निगम द्वारा जो भी प्रोजेक्ट चल रहे हैं उनको स्पीड से पूरा करना, इसके अलावा कई अन्य निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा हम सुनिश्चित करेंगे की अगली बैठक जो 3 महीने के अंदर होगी, उनके द्वारा निर्देश दिए गए हैं उनका क्रियान्वयन अति शीघ्र किया जाये।

छठ व्रत नहीं, तपस्या है : भगवान वेदांताचार्य

जानकी बाग काशी में संत समागम में दिया उद्बोधन

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ । दमोह, भगवान की प्राप्ति के लिए जितना त्याग चाहिए उसका सर्वाधिक अंश छठ व्रत से मिल जाता है सूर्य और शक्ति (छठी माता) की संयुक्त उपासना का महापर्व छठ है। यह व्रत नहीं तपस्या है, इसलिए दुनिया का सबसे फलदायी व्रत भी है। बिहार-झारखंड में प्रमुख तौर पर परंपरा से शास्त्रीय विधि का पालन करते हुए छठ पर्व मनाया जाता है। आस्थापूर्वक लोग सूर्य व शक्ति की उपासना करते हैं। रात और दिन दोनों की अधिष्ठात्री हैं छठी देवी है। मंत्रकुटा देव ब्रह्मा, विष्णु, महेश माने गए हैं, पर मंत्र अधिष्ठात्री देवी महाकाली, महालक्ष्मी, मां सरस्वती मानी गई हैं। कोई भी मंत्र होता है, देवता की प्रीति की भावना से उसका जप होता है। इसी प्रकार षष्ठी देवी की आराधना सूर्य-चंद्र की आराधना से उनकी शक्ति के रूप में हो ही जाती है। छठी देवी रात्रि और दिन की अधिष्ठात्री हैं। विशेष तथ्य यह है कि पंच देवों में एक शक्ति भी हैं और जितने बाकी चार देव हैं उनके साथ भी शक्ति है। स्वतंत्र स्थान भी पंच देवों में शक्ति का ही है। सूर्य के उपासक को सौर्य, विष्णु भगवान के उपासक को वैष्णव, शिव के उपासक को शैव, शक्ति के उपासक को शाक्त, गणपति के उपासक को गाणपत्य कहते हैं। शक्ति का एक स्वत्रंत स्थान भी है। हमारे यहां शक्ति का बहुत महत्व है। मातृ देवो भव:। इसलिए शास्त्र सम्मत परंपरा के अनुसार षष्ठी देवी ही छठी देवी बनीं जिनकी आराधना और व्रत करनी चाहिए। हमारे सनातन धर्म में शक्ति और देवता में अभिन्न संबंध माना जाता है। विधि विधान से सूर्य को अर्घ्य देकर उन से मनोकामनाओं के लिए निवेदन करें। वास्तव में छठ व्रत नहीं तपस्या है,आपको जैसा फल चाहिए वैसा ही तप करना होगा । तिथि की अधिष्ठात्री देवी छठ की ही लोग उपासना करते है नियम भी हैं कि सूर्य चंद्र के साथ षष्ठी देवी का घनिष्ठ संबंध है। छठ दुनिया का सबसे कठिन व्रत इसलिए है क्योंकि इसमें अधिक समय तक व्रत व संयम रखना पड़ता है। स्नान के बाद सूर्य को अर्घ्य देना पड़ता है। प्राय: यह व्रत माताएं रखती हैं, इससे उनके मनोरथ की पूर्ति भी होती है। एक ऊंची बात है कि जितना ऊंचा फल चाहिए उतना तप भी चाहिए। हमारे यहां यज्ञ, दान, तप और व्रत त्याग के द्योतक बताए गए हैं। शास्त्र सम्मत यज्ञ करेंगे तो द्रव्य का त्याग करना पड़ेगा। व्रत के लिए भोजन त्यागना पड़ेगा। तप करेंगे तो सुख त्यागना पड़ेगा और भगवत प्राप्ति के लिए सर्वस्व त्यागना पड़ेगा। भगवत प्राप्ति के लिए जीवन में जितना त्याग का बल चाहिए, षष्ठी पूजा यानी छठ व्रत करने मात्र से उसमें से बहुत कुछ प्राप्त हो जाता है। कठोर व्रत का आशय है कि अधिक समय तक व्रत से अधिक फल की प्राप्ति।

जयति जय जय....

राज्य अतिथि डॉ. चिन्मय पंड्या जी आज दमोह आयेंगे

कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल का लिया जायजा

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ
दमोह, भारतीय ज्ञान परम्परा के कार्यक्रम में देव संस्कृति विश्व विद्यालय , हरिद्वार के प्रतिकुलपति एवम राज्य अतिथि डॉ. चिन्मय पंड्या जी के मुख्य आतिथ्य में व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन आज 08 नवंबर 24 को प्रात: 9.30 बजे से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस ज्ञानचंद श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह में किया जा रहा है। के संबंध में कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने महाविद्यालय पहुंचकर कार्यक्रम के पूर्व व्यवस्थाओ का जायजा लिया और महाविद्यालय के प्राचार्य को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की निर्देश दिए।

थाना कोतमा पुलिस द्वारा अवैध कबाड लोड वाहन जब्त कर अवैध कबाड़ धंधा

परिवहन करने वाले एवं वाहन चालक के विरूद्ध गई कार्रवाई आरोपी गिरफ्तार

सुशिल सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, श्रीमान पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के मार्गदर्शन में दिनांक 06.11.2024 को मूखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि सफेद रंग की पिकप में चोरी का अवैध कबाड़ लोड कर केशवाही होते हुये बुढार जाने वाली है सूचना पर मौके से जाकर रेड कार्रवाई की गई, तो पिपरिया आम रोड में एक सफेद रंग की पिकप आने पर रोका गया पिकप वाहन का रजिस्ट्रेशन क्र. क्क-65-ब्र-0757 को चेक करने पर वाहन में चोरी के लोहे का कबाड़ भरा पाया गया जिसके संबंध में चालक संत कुमार यादव पिता राम कृपाल यादव उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम सिथली थाना बुढार जिला शहडोल (म.प्र.) से पूछताछ करने पर कि लोहे कबाड़ के संबंध में कोई दस्तावेज नहीं होना बताया सुमित उर्फ बड्डे जैन निवासी बुढ़ार द्वारा मुझे उक्त वाहन में पप्पू ताम्रकार से संपर्क कर चोरी का लोहे का कबाड़ लोड कर लाने हेतु कहा गया था तो मैं कोतमा पहुँचकर पप्पू ताम्रकार से सम्पर्क कर चोरी का तकरीबन 02 टन लोहे का कबाड़ उक्त वाहन में लोड कर ले जा रहा था बताया उक्त चोरी लोहे कबाड़ के संबंध में कोई दस्तावेज पेश न करने पर चालक आरोपी संत कुमार से उक्त वाहन में लोड 02 टन माल कीमत एक 50 हजार रुपए एवं वाहन की कीमत 3 लाख रुपए कुल 350000 रुपए का जप्त कर आरोपी 1.चालक संत कुमार यादव ,2. सुमित उर्फ बड्डे जैन एवं पप्पू ताम्रकार के खिलाफ अपराध क्रमांक 444/24 धारा 303(2), 317(5), 61(2),3(5) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया । जिसमे महत्वपूर्ण भूमिका निरीक्षक श्री सुन्द्रेश सिंह ,उप निरी.पुष्पराज सिंह ,प्र.आर. 108 रामखेलावन यादव आर. 232 अभय त्रिपाठी ,आर.224 चक्रधर तिवारी की भूमिक सराहनीय रही।

अनूपपुर जिले में व्यापारिक सुगमता और औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं - कलेक्टर

कलेक्टर ने नवीन औद्योगिक क्षेत्र के विकास, निवेशकों के औद्योगिक स्थापना एवं प्रोत्साहन हेतु आयोजित बैठक में दिए निर्देश

सुशिल सोनी । सिटी चीफ ।
अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने कहा है कि अनूपपुर जिले में व्यापारिक सुगमता और औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं हैं। इस हेतु अधिकारी एवं उद्यमियों को मिलकर समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि जिले में ऐसे उद्योगों का विकास होना चाहिए जिससे लोगों को ज्यादा से ज्यादा रोजगार प्राप्त हो सके तथा अनूपपुर औद्योगिक विकास के नए अवसरों का केंद्र बन सके। कलेक्टर ने महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले में उद्योग स्थापित करने हेतु उद्योगपतियों एवं निवेशकों को कोई भी समस्या आती है, तो उनका त्वरित निराकरण कराया जाए। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली आज अनूपपुर जिले में नवीन औद्योगिक क्षेत्र के विकास निवेशकों के औद्योगिक स्थापना एवं प्रोत्साहन हेतु आयोजित बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। कलेक्टर ने अनूपपुर जिले से आए हुए निवेशकों से उनके द्वारा स्थापित की जा रही औद्योगिक संस्था, गतिविधि एवं औद्योगिक ढांचों के संबंध में विस्तार से चर्चा करते हुए जानकारी प्राप्त की। निवेशकों द्वारा बताया गया कि जिले के ग्राम जमुड़ी में वाटर पार्क, अनूपपुर में दोना पत्तल उद्योग, अमलाई में टमाटर पाउडर प्रोसेसिंग प्लांट, सिनेमा घर, सिटी मॉल सहित अन्य विभिन्न उद्योगों के स्थापित किए जाने के संबंध में जानकारी दी गई। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि निवेशक अपने उद्योग स्थापित

करें तथा जहां समस्याएं आती है, वहां जिला प्रशासन द्वारा सहयोग प्रदान किया जाएगा। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जो निवेशक एवं उद्योगपति नए उद्योग स्थापित करना चाहते हैं और उनके उद्योग संबंधित शासकीय कार्यालयों में कार्य रुके हुए हैं, उनको भी प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराते हुए उनका कार्य कराया जाए, जिससे उद्योगों की स्थापना जल्द से जल्द हो सके। बैठक में कलेक्टर ने निवेशकों से यह भी कहा कि शहडोल संभाग में आगामी दिनों में आयोजित होने वाले इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में सहभागिता निभाते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से उद्योग के संबंध में चर्चाएं अवश्य करें। बैठक में कलेक्टर ने निवेशकों की समस्याओं की लिस्टिंग कर प्रस्तुत करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में कलेक्टर ने पीएम कुसुम योजना के संबंध में चर्चा करते हुए किसानों को सोलर प्लांट स्थापित करने हेतु प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सोलर प्लांट स्थापित होने से किसानों की जीवन में भी सकारात्मक परिवर्तन आएगा। बैठक में निवेशकों ने औद्योगिक विकास हेतु कलेक्टर को अनेक सुझाव भी दिए। बैठक में जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक श्री आर.एस. डावर, अधीक्षक भू-अभिलेख श्री प्रदीप मोगरे, उद्यानिकी विभाग के सहायक संचालक श्री सुभाष श्रीवास्तव, जिला अग्रणी प्रबंधक सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया श्री अजीत नांबियार, जिला खनि अधिकारी सुश्री आशालता वैद्य सहित अनूपपुर जिले से आए हुए निवेशक एवं उद्योगपति उपस्थित थे।

जिला प्रशासन बना मुसीबत में सहारा- दिव्यांग कमलेश का परिवार

कलेक्टर ने दिव्यांग बालक के लिए की व्हीलचेयर स्वीकृत एवं 20000 रुपये की विशेष सहायता।

अलीराजपुर- कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर ने जोबट तहसील के उबलट ग्राम के दिव्यांग बालक को कलेक्टर चेंबर में व्हीलचेयर सौंपी। उन्हें बालक के विषय में मीडिया के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई तो उन्होंने तत्काल विभाग के माध्यम से व्हीलचेयर स्वीकृत की। उन्होंने बताया कि कमलेश ट्राय साइकिल स्वयं संचालित करने की स्थित में नहीं होने के कारण उनके लिए व्हीलचेयर स्वीकृत की। इसके साथ ही परिवार की एवं कमलेश के स्वास्थ्य संबंधित आवश्यकताओं को देखते हुए उन्होंने 20000 रुपये की राशि रेडक्रॉस के माध्यम से स्वीकृत की, ताकि कमलेश एवं उनके परिवार को संबल मिल सके। कलेक्टर डॉ बेडेकर एवं जिला पंचायत सीईओ श्री प्रखर सिंह ने उन्हें चेक एवं व्हीलचेयर उनके परिवार की उपस्थिति में सौंपी। कमलेश के परिवार के बताया कि आवश्यकता के इस मुहाने पर कलेक्टर डॉ बेडेकर द्वारा दी गई इस आर्थिक सहायता एवं व्हीलचेयर से परिवार को मजबूती मिलेगी। उन्होंने जिला प्रशासन को धन्यवाद प्रेषित किया।

68 वी राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में अलीराजपुर के खिलाड़ियों ने लहराया परचम

अलीराजपुर- 68वी राज्य स्तरीय शालये क्रीड़ा का आयोजन 02 नवम्बर 2024 से 08 नवम्बर 2024 तक आयोजित कि जा रही है। इस प्रतियोगिता में कुल 05 गोल्ड एव 05 सिल्वर मेडल प्राप्त कर खिलाड़ियों ने खेल परिसर एव जिले का नाम रोशन किया इस उपलब्धि पर अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान ,जोबट विधायक श्रीमती सेना महेश पटेल एवं कलेक्टर डॉ. अरविंद बेंडेकर द्वारा सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुवे भविष्य में अपना नाम एव माता पिता के साथ जिले का नाम रोशन करने हेतु सभी को अग्रिम शुभकामनाये दी गई । प्रतियोगिता का आयो?जन छतरपुर में एव जूनियर वर्ग के खिलाड़ीयों के लिए भोपाल में आयोजित हो रही है। इस प्रतियोगिता में पूरे मध्यप्रदेश के 14 वर्ष ,16 वर्ष एवं 19 वर्ष के जूनियर एवं सीनियर बालक / बालिकाओं द्वारा भाग लिया गया । प्रतियोगिता में बालक बालिकाओं ने उत्साह के साथ खेलो में भाग लिया एवं प्रतियोगिताओं मे गोल्ड मैडल ऊँची कूद मे प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाडी श्री सबलसिंह पिता खुमसिंग , सुश्री ममता पिता तेरसिंग कनेश , सीनियर वर्ग अर्जुन पिता खुरबान एवं सीनियर वर्ग 400 मीटर हडल्स में प्रथम स्थान रणजीत पिता सुमला ने प्राप्त किया।सीलर मैडल मिनी वर्ग में द्वितीय स्थान सुनील नवलसिंह तवा फेक एवं जय चतरसिंह 600 मीटर दौड़, सीनियर वर्ग में अमीर पिता जुवान सिंह ऊँची कुद एवं प्रकाश पिता करमसिंह पोलवाल्ट में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। साथ ही जुनियर वर्ग भोपाल में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता मेंजुनियर वर्ग बालक प्रदीप पिता मुकाम ऊँचीकूद में प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं सिल्वर मेडल जूनियर वर्ग में रोहित कादु 110 मीटर हडल्स में द्वितीय स्थान प्राप्त किया । इसके अतिरिक्त प्रभारी सहायक आयुक्त संजय परवाल ,जिला खेल प्रभारी प्रिंकेश वर्मा जनजातीय कार्य विभाग वरिष्ठ व्यायाम शिक्षक भूपेन्द्र सिंह बघेल छात्रावास अधीक्षक केरम सिंह जमरा अतिथि पी टी आई जवानसिंह किराड़ ,संजय चौहान, कुँवर कनेश, संतोष रावत, कृष्णा चौहान एव खेल परिसर के समस्त स्टॉप ने सभी का आभार माना।

सांसद जोशी के जन्म दिवस पर आयोजित भजन संध्या में भजन गायक छोटू सिंह रावणा एवं गीता रेबारी के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

शंभूपुरा। सांसद सीपी जोशी के जन्म दिवस पर मंगलवार को सांय भादसौड़ा चौराहा स्थित श्री सांवलिया जी प्राकट्य स्थल मंदिर प्रांगण में भव्य एवं विशाल भजन संध्या एवं धार्मिक कार्यक्रम के साथ धूमधाम से मनाया गया। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी मनोज पारीक ने बताया कि भजन संध्या का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं पूजन कर किया गया। कार्यक्रम संयोजक भदेसर उपप्रधान प्रतिनिधि श्रवणसिंह राव के संयोजन में सांसद सीपी जोशी के जन्म दिवस पर पिछले तीन दिनों से जिले में सेवा कार्य एवं कई तरह के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनो की कड़ी में मंगलवार सांय गुजरात के कच्छ क्षेत्र की स्वर कोकिला गीता रेबारी एवं राजस्थान के मशहूर भजन गायक छोटू सिंह रावणा द्वारा भक्ति से ओत-प्रोत भजनों ने वातावरण को भक्तिमय बना एवं भक्त झुमते रहे। हर तरफ जयकारे गुंजते रहे। भजनो का सिलसिला देर रात तक जारी रहा। भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय सिंह चौहान ने बताया कि कार्यक्रम में भादसोड़ा भाजपा मंडल सहित पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सांसद सीपी जोशी के आगमन पर जेसीबी पर चढ़कर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। सांसद जोशी ने प्राकट्य स्थल मंदिर पर दर्शन किये। सांसद सीपी जोशी के मंच पर पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा एवं भव्य आतिशबाजी एवं ढोल नगाड़ों से जोरदार स्वागत किया। छोटू सिंह रावणा की आवाज में एक नए भजन की रचना हुई जिसमें स्वयं सांसद सीपी जोशी भजन गा रहे हैं उस भजन की लॉन्चिंग मंगलवार शाम उक्त आयोजन के मंच से की गई जिस पर रही।उक्त कार्यक्रम में गीता रबारी एवं छोटू सिंह रावणा द्वारा मेवाड़ के प्रसिद्ध भजनों के द्वारा उमड़े श्रद्धालुओं को झुमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा रतन लाल गाडरी, जिला महामंत्री रघु शर्मा, प्रधान चित्तौड़ देवेंद्र कंवर, सागर सोनी, रणजीत सिंह भाटी, मुकेश गुर्जर, जानकी दास वैष्णव, मंदिर मंडल के अशोक अग्रवाल, विमल अग्रवाल, पवन तिवारी, राधेश्याम आचार्य, रमेश चंडालिया, जगदीश तेली, जगदीश अग्रवाल, सहित हजारों की संख्या में दर्शक एवं श्रद्धालु उपस्थित थे। अकोला से मंडल उपाध्यक्ष उदयलाल छिपा महामंत्री योगेंद्र गिरी गोस्वामी युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष राजकुमार आचार्य एवं कार्यकर्ताओं ने कुशल कारीगरों द्वारा हस्त निर्मित 51 फीट का साफा बंधा कर सांसद जोशी का स्वागत अभिनंदन किया।

जिला भाजपा संगठन पर्व कार्यशाला का आयोजन आज।

शंभूपुरा। भारतीय जनता पार्टी जिला चित्तौड़गढ़ संगठन पर्व कार्यशाला शुक्रवार को अंहिसा नगर ओछड़ी स्थित भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित होगी। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी मनोज पारीक ने बताया कि प्रदेश संगठन पर्व कार्यशाला के पश्चात 8 नंवबर शुक्रवार को दोपहर 12 बजे चित्तौड़गढ़ जिले की संगठन पर्व कार्यशाला होगी। कार्यशाला में जिले में निवास करने वाले वर्तमान एवं पूर्व प्रदेश पदाधिकारी,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, प्रदेश मोर्चा पदाधिकारी, जिला चुनाव अधिकारी टोली,जिला संगठन प्रभारी, जिला पदाधिकारी, मोर्चो के अध्यक्ष, नगर निकाय एवं पंचायतीराज के जनप्रतिनिधि, सदस्यता अभियान के जिला व विधानसभा संयोजक सक्रिय सदस्यता अभियान के जिला संयोजक मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, मंडल प्रभारी, मंडल सक्रिय सदस्यता सहयोगी आदि भाग लेंगे।

सहकारिता मंत्री के क्षेत्र में धूल खा रहे ग्रामीण

उड़ते धूल के गुब्बार से वाहन चालक परेशान, जिम्मेदार बड़े हादसे के इंतज़ार में

शंभूपुरा। डूंगला क्षेत्र जो कि स्वयं प्रदेश के सहकारिता मंत्री गोतम दक का विधानसभा क्षेत्र आता है यहाँ भी लोगों को धूल मिट्टी से राहत नही मिल पा रही तो अन्यत्र कि क्या बात करें।

डूंगला उपखण्ड क्षेत्र के चिकारडा से बोहेड़ा तक बन रही सड़क का कार्य 10 माह बीत जाने के बाद भी अधूरा है, जिससे इस सड़क पर आये दिन हादसे हो रहे है लेकिन सड़क के ठेकेदार के कान पर जू तक नही रेग रही है। लापरवाही का आलम यह है की बीते 8 महीने पूर्व ही सड़क पर गिट्टी बिछा दी गयी लेकिन डामरीकरण अभी तक नहीं किया गया, दिन भर चलती गाड़ियों से उठता धूल का गुब्बार वाहन चालकों के लिए सिरदर्द बना है विभागीय अधिकारीयो को बार बार कहने पर भी अभी तक डामरीकरण नही हुआ है इससे लगता हैं की विभागीय अधिकारी भी जान बूझकर बड़े हादसे का इंतेज़ार करते हुए दिख रहे है, सबसे बड़ी बात यह कि यह क्षेत्र राजस्थान के सहकारिता मंत्री गौतम दक का है बावजूद इसके अधिकारियों द्वारा सुनवाई नही करना भी सरकार के कार्यो की पोल खोल रहे है।

प्रभु सांवलिया सेठ की प्रति प्रतिमा ले जाने पर लगी रोक।

शंभूपुरा। भगवान श्री सांवलिया सेठ मंदिर, मण्डफिया की व्यवस्थाओं में सुधार एवं वर्तमान में सोशल मीडिया पर प्रचारित विभिन्न भ्रामक गतिविधियों एवं पुजारियों द्वारा सामाजिक, धार्मिक एवं व्यावसायिक कार्यक्रमों में भगवान श्री सांवलिया सेठ की प्रति प्रतिमा को ले जाने पर रोकथाम हेतु एक बैठक श्री साँवलियाजी मंदिर मण्डल, अध्यक्ष भैरूलाल गूर्जर की अध्यक्षता में आयोजित की गई।अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रभा गौतम ने बताया कि पुजारियों द्वारा यात्रियों से सहज व्यवहार रखने के साथ ही विभिन्न निजी सामाजिक, धार्मिक एवं व्यावसायिक कार्यक्रमों में भगवान श्री सांवलिया सेठ की प्रति प्रतिमा को ले जाने को निषेध करते हुए पुजारियों से मंदिर प्रशासन को आवश्यक सहयोग हेतु निवेदन किया गया। अन्यथा ऐसी जानकारी प्राप्त होने पर भविष्य में आवश्यक कार्यवाही करने का निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया।साथ ही, पुजारियों को भगवान श्री सांवलिया सेठ की छवि में किसी भी प्रकार का श्रृंगार द्वारा परिवर्तन नहीं करने की हिदायत दी गई। भगवान की पोशाक मंदिर मण्डल द्वारा प्रतिदिन उपलब्ध करवाई जाएगी तथा मंदिर पुजारी द्वारा किसी भी यात्री से अपने स्तर पर पोशाक प्राप्त कर धारण नहीं करवाने का निर्णय लिया गया।बैठक में सदस्य श्री सांवलिया जी मंदिर मंडल श्री लाल पाटीदार, ममतेश शर्मा, अशोक शर्मा, शंभू सुथार, संजय मंडोवरा एवं प्रमुख पुजारी द्वारका दास, अन्य पुजारी, शिवशंकर पारीक, प्रशासनिक अधिकारी-प्रथम, नंदकिशोर टेलर, प्रशासनिक अधिकारी-द्वितीय, भैरू गिरी गोस्वामी, सुरक्षा अधिकारी राजेंद्र शर्मा, प्रभारी, मंदिर व्यवस्था एवं मंदिर मंडल के अन्य अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित थे।

यातायात पुलिस द्वारा टेंपो स्टैंड पर खड़े अस्त व्यस्त वाहनों को किया गया व्यवस्थित अनावश्यक रूप से टेंपो स्टैंड पर कब्जा कर खड़े किए गए ट्रैक्टर/ट्राली/ट्रक तथा मिक्सचर मशीनों को हटाया गया

बुरहानपुर, यातायात थाना प्रभारी सूबेदार नागेंद्र सिंह ठाकुर एवं यातायात स्टाफ द्वारा शहर के व्यस्त टेंपो स्टैंड पार्किंग में अस्त व्यस्त लगे हुए एप्पे टेंपो एवं बुरहानपुर से लालबाग चलने वाली मैजिक गाड़ियों को पार्किंग में व्यवस्थित कतार बध तरीके से लगाया गया एवं एप्पे टेंपो मैजिक चालकों को अपने वाहन को स्टैंड पर व्यवस्थित खड़े करने हेतु समझाइश भी दी गई ।एवं अनावश्यक रूप से टेंपो स्टैंड पर कब्जा कर खड़े किए गए ट्रैक्टर/ट्राली/ट्रक तथा मिक्सचर मशीनों को हटाया गया ।थाना प्रभारी यातायात सूबेदार नागेंद्र सिंह ठाकुर द्वारा चालकों को अपने-अपने वाहनों के कागज कंप्लीट करने हेतु निर्देश दिए गए यदि वाहन अस्त-व्यस्त स्टैंड पर खड़े पाए गए तो उनके विरुद्ध चालानी कार्रवाई भी की जाएगी ।

नेशनल मूवमेंट ऑफ़ ओल्ड पेंशन स्कीम मध्य प्रदेश भारत को बहुत बड़ी सफलता

बुरहानपुर,,,भोपाल हेडलाइंस नेशनल मूवमेंट ऑफ़ ओल्ड पेंशन स्कीम के प्रदेश अध्यक्ष परमानंद डेहरिया जी की मेहनत रंग लाई कल दिनांक को माननीय मुख्यमंत्री जी मध्य शासन एवं माननीय प्रमुख सचिव मध्य प्रदेश शासन भोपाल को मृत शासकीय सेवकों के अस्तित्व के लिए परिवार के लिए परिवार पेंशन बहाल करने संबंध में जो अभ्यावेदन सोपा था उसको माननीय प्रमुख सचिव विधानसभा द्वारा स्वीकार कर लिया गया है और परिवार पेंशन सम्मान में उचित कार्रवाई करने के लिए अभ्यावेदन को स्वीकार कर लिया गया है और आगामी दिनों में इस पर संबंधित संपूर्ण नियम कानून एवं कागजात लेकर उपस्थित होने कहा है जिसमें एक प्रकार से याचिका स्वीकार की जाती है और उसे पर कार्रवाई किया जाकर मध्य प्रदेश शासन भारत सरकार के राजपत्र के अनुसार परिवार पेंशन मृताश्रित परिवार को मिलेगी उपरोक्त जानकारी देते हुए कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेशनल मूवमेंट ऑफ वर्ल्ड पेंशन स्कीम के प्रांतीय संयोजक ठाकुर संतोष सिंह दीक्षित ने बताया कि हमारे अभी तक जितने भी कर्मचारी मृत हुए हैं जैसे कि स्वर्गीय महेंद्र नाथ पांडे जी, आरिफ अंजुम जी और उनके जैसे हजारों मृत कर्मचारियों के परिवार को परिवार पेंशन मिलेगी यह नेशनल मूवमेंट ऑफ ओल्ड पेंशन स्कीम मध्य प्रदेश भारत की बहुत बड़ी कर्मचारी हित में जीत है और आरिफ भाई और महेंद्र भाई के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी इस अवसर पर संयुक्त मोर्चा के जिला अध्यक्ष संजय सिंह गहलोत एवं संयोजक धर्मेंद्र चौक से जी, अनिल बाविस्कर , विजय राठौड़, जी अशफाक खान जी, श्रीमती प्रमिला सग्रेजी, कल्पना पवार जी, ठाकुर अरविंद सिंह, राजेश पाटील, सतीश दामोदर, सदानंद भाई ,भानुदास भाई योगेश सहकारी,हीरालाल प्रजापति सभी ने संगठन की प्रशंसा में कहते हुए कहा कि नेशनल मूवमेंट ऑफ ओल्ड पेंशन स्कीम मध्य प्रदेश भारत निषिद्ध कर्मचारी हित में लगातार विकास 17 वर्षों से पेंशन के लिए कार्य कर रहा है राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय विजय बंधु जी के नेतृत्व में जिनके मार्गदर्शन से आज हमें बहुत बड़ी विजय मिलने जा रही है जिसके लिए हम माननीय मध्य प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार का आभार व्यक्त करते है*

विधिक सेवा सप्ताह कार्यकम के अंतर्गत 45 किलोमीटर दूर ग्राम धुलकोट में विधिक जागरूकता शिविर एवं चित्रकला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बुरहानपुर नि.प्र- मश्प्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं माननीय अध्यक्ष महोदय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार दिनांक 09 नवंबर 2024 को विधिक सेवा दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 04/11/2024 से 9/1172024 तक न्यायोत्सव: विधिक सेवा सप्ताह मनाया जाना है। उक्त कार्यकम के तारतम्य में दिनांक 06/11/2024 को ग्राम धूलकोट में विधिक जागरूकता कार्यक्रम एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।उक्त कार्यकृम में लगभग 250 बालक-बालिकाओं ने जागरूकता शिविर में सहभागिता की गई एवं चित्रकला प्रतियोगिता में 30 बालक - बालिकाओं ने भाग लेकर अपने कला से चित्रकला के माध्यम से भाग लेकर सुंदर सुंदर चित्र प्रस्तुत किए। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय प्रतिभागियो को पुरूस्कृत किया जाएगा। पैरालीगल वालेटियर्स /अधिकार मित्र महेन्द्र जैन ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी से विस्तारपूर्वक अवगत कराया। साथ ही डॉ0 फौजिया सोडावाला पैरालीगल वालेटियर ने भी संबोधित करते हुये बच्चों से मैत्रीपूर्ण संबंध व संरक्षण, शिक्षा का अधिकार, संबंधी जानकारी देकर लाभान्वित किया। उक्त कार्यकम में विालय के प्राचार्य गणवीर सर एवं शिक्षक, शिक्षिकाए व् छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे ।

खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा नीमच में खाद्य पदार्थों की जांच

खाद्य पदार्थों के लिए नमूने

नीमच कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार खाद्य-सुरक्षा अधिकारी नीमच श्री यशवंत कुमार शर्मा द्वारा नीमच शहर में फर्म अग्रवाल दूध भंडार जवाहर नगर , मातादीन दूधवाले सदर बाजार , अलहम्द किराना स्टोर मूलचंद मार्ग , महावीर प्रोविजन मूलचंद मार्ग का निरीक्षण कर फर्म अग्रवाल दूध भंडार जवाहर नगर नीमच से एक नमूना मिश्रित दूध, मातादीन दूधवाले सदर बाजार तिलक मार्ग नीमच से एक नमूना घी , अलहम्द किराना स्टोर मूलचंद मार्ग नीमच से एक नमूना हरियाणा फ्रेश देसी घी पैक, व प्रेम प्रोविजन मूलचंद मार्ग नीमच से एक नमूना चंद्रकमल देसी घी पैक एवं एक नमूना हेरिटेज घी पैक के लिए । जो जांच प्रयोगशाला भोपाल एवं प्रयोगशाला इंदौर भेजे जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी को अल्पसंख्यक का दर्जा देने से इनकार करने वाला 1967 का आदेश किया खारिज

नेशनल डेस्क. भारत के सुप्रीम कोर्ट ने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (रू) को अल्पसंख्यक का दर्जा देने से इनकार करने वाले 1967 के फैसले को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि इस पुराने फैसले को अब फिर से नई बेंच के सामने रखा जाएगा, जो इस पर नए सिरे से विचार करेगी। यह फैसला रू के लिए एक बड़ी राहत के रूप में सामने आया है क्योंकि यूनिवर्सिटी लंबे समय से अल्पसंख्यक संस्था के रूप में अपनी पहचान को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ रही थी।

1967 का फैसला और उसका महत्व

1967 में, सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में कहा था कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी को अल्पसंख्यक अधिकार नहीं दिए जा सकते। कोर्ट ने उस समय यह तर्क दिया था कि विश्वविद्यालय को अल्पसंख्यक संस्था का दर्जा देना संविधान की मूल भावना के खिलाफ होगा। यह निर्णय उस समय बहुत चर्चित हुआ था क्योंकि रू का प्रबंधन मुस्लिम समुदाय के लोगों के हाथों में था, लेकिन अदालत ने इसे अल्पसंख्यक समुदाय से बाहर माना। यह फैसला रू के लिए एक बड़ा झटका था, क्योंकि यूनिवर्सिटी का प्रबंधन और संचालन मुस्लिम समुदाय के नेतृत्व में होता है, और यह संस्थान मुस्लिम छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षिक केंद्र है। इस फैसले के बाद से रू ने कई बार अल्पसंख्यक का दर्जा प्राप्त करने की कोशिश की, लेकिन अदालत के 1967 के आदेश के चलते यह संभव नहीं हो सका।

सुप्रीम कोर्ट का नया फैसला

अब, सुप्रीम कोर्ट ने 1967 के उस आदेश को खारिज कर दिया है। कोर्ट का कहना है कि इस मामले को अब एक नई बेंच के सामने रखा जाएगा, जो इस पर पूरी तरह से नए सिरे से विचार करेगी। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति अभय एस. ओका की बेंच ने इस मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि यह जरूरी है कि इस मुद्दे पर वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए फिर से विचार किया जाए। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के लिए आशा की एक नई किरण दिखाई दी है। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने इस निर्णय को सकारात्मक कदम बताते हुए खुशी जाहिर की है। उनका कहना है कि अगर रू को अल्पसंख्यक का दर्जा मिलता है, तो यह विश्वविद्यालय के प्रबंधन और शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

क्या है अल्पसंख्यक का दर्जा?

भारत में अल्पसंख्यक शब्द का उपयोग विशेष रूप से उस समुदाय के लिए किया जाता है जिसे संविधान ने एक विशेष प्रकार का संरक्षण देने का प्रावधान किया है। इसके तहत अल्पसंख्यक समुदाय को शिक्षा, संस्कृति और धर्म के मामले में विशेष अधिकार दिए जाते हैं। अगर अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी को अल्पसंख्यक का दर्जा मिल जाता है, तो इसका लाभ उसे कानूनी और प्रशासनिक अधिकारों के रूप में मिल सकता है, जो उसके संचालन और प्रबंधन को और अधिक स्वतंत्र बना सकता है।

रू के लिए आगे का रास्ता

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी को अल्पसंख्यक का दर्जा देने के लिए अदालत को इस विषय पर कई पहलुओं पर विचार करना होगा। इसमें यह भी देखा जाएगा कि क्या संविधान की धारा 30 के तहत इसे अल्पसंख्यक अधिकार मिलते हैं या नहीं। इसके साथ ही, कोर्ट यह भी देखेगा कि क्या रू की संरचना और प्रबंधन इसे एक अल्पसंख्यक संस्था के रूप में स्थापित करने की पात्रता रखते हैं। यूनिवर्सिटी के छात्र संगठन और कई मुस्लिम संगठनों ने लंबे समय से इस मुद्दे को उठाया है और उनका मानना है कि अगर रू को अल्पसंख्यक का दर्जा मिल जाता है, तो यह मुस्लिम समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण कदम होगा, जिससे उन्हें बेहतर शिक्षा और विकास के अवसर मिलेंगे।

ट्रंप को बहादुर कहकर पुतिन ने दिया सिग्नल

कहा - रूस यूक्रेन युद्ध पर अमेरिका से बातचीत को तैयार

इंटरनेशनल डेस्क। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को डोनाल्ड ट्रंप को चुनाव जीतने पर बधाई दी। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप की जीत को अमेरिकी इतिहास में किसी नेता की सबसे बड़ी राजनीतिक वापसी करार दिया जा रहा है। वहीं अमेरिकी चुनावों के नतीजों पर अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणी में रूसी नेता ने कहा कि वह डोनाल्ड ट्रंप से बात करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अमेरिका-रूस संबंधों को बहाल करने और यूक्रेन में युद्ध को समाप्त करने की दिशा में काम करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

पुतिन ने डोनाल्ड ट्रंप को दी बधाई

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा, मैं इस अवसर पर उन्हें संयुक्त राय अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित होने पर बधाई देना चाहता हूं। उन्होंने कहा आगे कहा, ट्रंप ने कहा था कि वो रूस के साथ बेहतर संबंध और यूक्रेन संकट को खत्म करने की कोशिश करेंगे, मेरी राय है कि उन्हें कम से कम इस पर ध्यान देना चाहिए।

ट्रंप को बहादुर कहकर पुतिन ने दिया सिग्नल

रूसी राष्ट्रपति ने पुतिन ने कहा, जुलाई में जब उनकी हत्या की कोशिश हुई थी तब उन्होंने जिस तरह से खुद को संभाला था, मैं उससे बहुत यादा प्रभावित हूं। वो बहुत बहादुर हैं। उन्होंने एक इंसान के तौर पर सही काम किया है। मुझे नहीं पता कि अब वे क्या करेंगे।

वहीं जनवरी में शपथ ग्रहण से पहले दोनों नेताओं के बीच संभावित फोन कॉल की खबरों पर व्लादिमीर पुतिन ने कहा, मुझे नहीं लगता कि ट्रंप के साथ बातचीत करना गलत है। अगर दुनिया के कुछ नेता संपर्क बहाल करना चाहते हैं तो मैं इसके खिलाफ नहीं हूं।

हम ट्रंप से बात करने के लिए तैयार हैं।

भारत की बांग्लादेश को दो टूक-हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे सरकार

कनाडा की भी लगाई क्लास

इंटरनेशनल डेस्क। भारत ने बांग्लादेश सरकार से अपील की है कि वह हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कठोर कदम उठाए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को एक साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान यह जानकारी दी। यह कदम हाल ही में बांग्लादेश के चटगांव में हुई सांप्रदायिक हिंसा के संदर्भ में उठाया गया है, जहां हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई के आरोप लगे हैं।चटगांव में हुई घटनाओं के बाद भारत ने बांग्लादेश पर दबाव बढ़ाया है कि वह वहां के हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए तत्काल सख्त कदम उठाए। यह स्पष्ट किया गया है कि बांग्लादेश का प्रशासन हिंदू समुदाय के प्रति कड़ा रुख अपनाए हुए है, जो चिंतित करने वाला है।

रणधीर जायसवाल ने कनाडा में ब्रैम्पटन स्थित एक हिंदू मंदिर पर हुए हमले की निंदा की। उन्होंने कहा कि भारत ने कनाडाई सरकार से अपील की है कि वे इस हिंसा में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई करें। भारतीय प्रवक्ता ने चिंता जताई कि कनाडा में हिंदुओं को बुनियादी सुरक्षा नहीं मिल रही है। इसके अलावा, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने भारत और अमेरिका के बीच के संबंधों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका साझेदारी बेहद खास और बहुआयामी है। उन्होंने बताया कि हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत की है और उनकी ओर से एक संदेश भी भेजा गया था। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति को बताया कि भारत इस साझेदारी को और मजबूत करने के लिए तत्पर है, जैसा कि पहले भी किया गया है।

स्विट्ज़रलैंड में 2025 से लागू होगा स्विस बुर्का प्रतिबंध

उल्लंघन करने वालों पर लगाया जाएगा भारी जुर्माना

इंटरनेशनल डेस्क। स्विट्ज़रलैंड 1 जनवरी 2025 से अपने विवादास्पद बुर्का बैन को लागू करने जा रहा है, जिसे 2021 में एक करीबी जनमत संग्रह में मंजूरी मिली थी। यह कानून, जो सार्वजनिक स्थानों पर चेहरे को ढकने पर प्रतिबंध लगाता है, ने विशेष रूप से मुस्लिम संगठनों की ओर से महत्वपूर्ण बहस और आलोचना को जन्म दिया है।

वहीं इसको लेकर सरकार ने कहा, सार्वजनिक स्थानों पर चेहरा ढंकने पर विवादास्पद स्विस प्रतिबंध, जिसे व्यापक रूप से बुर्का प्रतिबंध के रूप में जाना जाता है, 1 जनवरी से प्रभावी होगा।

बता दें कि तटस्थ स्विट्जरलैंड में 2021 के जनमत संग्रह में संकीर्ण रूप से पारित और मुस्लिम संघों द्वारा निंदा किए गए इस उपाय को उसी समूह द्वारा शुरू किया गया था जिसने 2009 में नई मीनारों पर प्रतिबंध लगाया था।

वहीं संघीय परिषद ने एक बयान में कहा कि उसने प्रतिबन्ध की शुरुआत तय कर दी है और जो कोई भी इसका अवैध उल्लंघन करेगा, उसे 1,000 स्विस फ़्रैंक (1,144 डॉलर) तक का जुर्माना भरना पड़ेगा। आगे बताते हुए सरकार ने कहा, यह प्रतिबंध विमानों या राजनयिक एवं वाणिय दूतावास परिसरों पर लागू नहीं होगा, तथा पूजा स्थलों और अन्य पवित्र स्थलों पर भी चेहरा ढका जा सकता है। इसमें कहा गया है, स्वास्थ्य और सुरक्षा से संबंधित कारणों, स्थानीय रीति-रिवाजों या मौसम की स्थिति के कारण चेहरे को ढंकने की अनुमति रहेगी। कलात्मक और मनोरंजन के आधार पर और विज्ञापन के लिए भी उन्हें अनुमति दी जाएगी।

विवाद और विरोध

वहीं मुस्लिम संगठनों ने इस कानून की कड़ी आलोचना की है, उनका तर्क है कि यह मुस्लिम महिलाओं को असमान रूप से लक्षित करता है। आलोचक इस पहल को व्यक्तिगत और धार्मिक स्वतंत्रता पर हस्तक्षेप के रूप में देखते हैं।

वहीं इसमें कहा गया है, यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और एकत्र होने के लिए व्यक्तिगत सुरक्षा हेतु ऐसे आवरण की आवश्यकता है, तो उन्हें अनुमति दी जानी चाहिए, बशर्ते जिम्मेदार प्राधिकारी ने पहले ही उन्हें मंजूरी दे दी हो और सार्वजनिक व्यवस्था से समझौता न हो।

ट्रंप के जीत के बाद राष्ट्रपति जो बाइडेन का पहला संबोधन

बोले- शांतिपूर्ण तरीके से होगा सत्ता का हस्तांतरण

वॉशिंगटन: अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चुनाव के बाद पहली बार अमेरिका के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे उम्मीद है कि हम अमेरिकी चुनाव प्रणाली की अखंडता के बारे में सवाल अब खत्म हो गया है। यह ईमानदार है, निष्पक्ष है और पारदर्शी है। इस पर भरोसा किया जा सकता है, चाहे जीत हो या हार। उन्होंने कहा कि 20 जनवरी को हम अमेरिका में सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण करेंगे। हमारे सभी अविश्वसनीय कर्मचारियों, समर्थकों, कैबिनेट सदस्यों, पिछले चार वर्षों से मेरे साथ रहने वाले सभी लोगों का धन्यवाद दिया। बाइडेन ने कहा, कल मैंने डोनाल्ड ट्रंप से बात की थी। मैंने उन्हें चुनाव जीतने की बधाई दी। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि मेरा पूरा प्रशासन उनकी टीम के साथ काम करेगा। अमेरिका के लोग यही चाहते हैं।

बाइडेन ने की कमला हैरिस के कैंपेन की तारीफ

बाइडेन ने कहा, कमला हैरिस सरकार में मेरी पार्टनर और पब्लिक सर्वेंट रही हैं। उन्होंने एक प्रेरक कैंपेन चलाया। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। उन्होंने पूरे दिल से कोशिश की। हैरिस और उनकी पूरी टीम को उनके कैंपेन पर गर्व होना चाहिए।

ट्रंप ने जीती 295 सीटें

डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए हैं। उन्हें 50 राज्यों की 538 इलेक्टोरेट सीटों में से 295 सीटें मिली हैं। ये बहुमत के लिए जरूरी 270 सीटों से कहीं ज्यादा है। जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी की कैंडिडेट कमला हैरिस 226 सीटें ही जीत पाईं। ट्रंप 20 जनवरी 2025 को 47वें राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे।

4 साल के गैप के बाद ही हासिल की सत्ता

डोनाल्ड ट्रंप 2016 में राजनीति में आए थे। पहली बार ही वो राष्ट्रपति बने थे। उस समय उन्होंने हिलेरी क्लिंटन को हराया था। लेकिन ट्रंप 2020 के चुनाव में जो बाइडेन से हार गए थे। दूसरे विश्व युद्ध के बाद वह पहले राजनेता हैं, जो 4 साल के गैप के बाद दोबारा सत्ता में लौटेंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569